SHEKHAWATI
Gospel According to Mark

चोखो बैद

हिया काया न निरोगो करबाळो

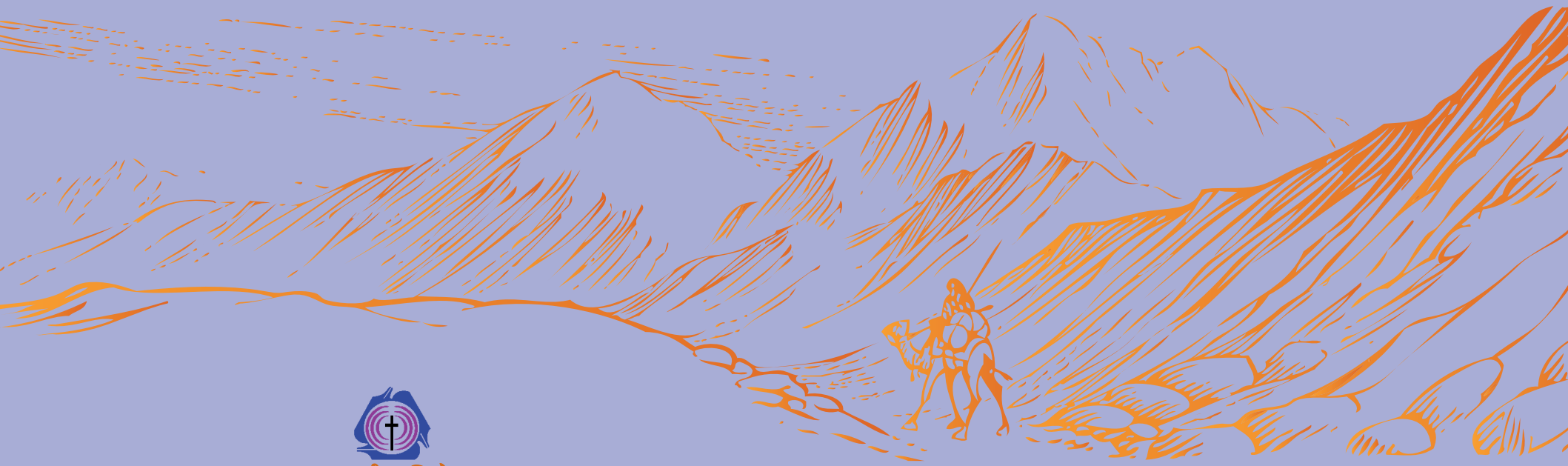

न्यु लाईफ लिट्रैचर
बैंगलूर - 560 043

शेखावाटि भाषा म
(मरकुस क हाथा माण्डेड़ो चोखो समचार)

चोखो बैद

हिया काया न निरोगो करबाळो

शेखावाटि भाषा म
(मरकुस क हाथा मण्डेड़ो चोखो समचार)

चोखो बैद

हिया काया न निरोगो करबाळो

शेखावाटि भाषा म

(मरकुस क हाथा मण्डेड़ो चोखो समचार)

Gospel according to Mark

Shekhawati

Year of Publishing : 2011

No. of copies : 250 ***(Trial)***

© New Life Literature

मरकुस क हाथा मण्डेड़ो चोखो समचार की आ प्रति क्युक म बाँटबा ताँई ह। था सजना स आ अरदास ह, थे इनै पढ़र थारा बिचार जो इ अनुवाद न ओर चोखो बणा सकै, निचै लिखेड़ा पता प भेजर परमेश्बर का इ काम म हाथ बटावो।

Illustrations on pages 2, 7, 27, 32, 34, 34, 40, 42, 47, 48 by Horace Knowles
© The British & Foreign Bible Society, 1954, 1967, 1972
Additions and amendments by Louise Bass
© The British & Foreign Bible Society, 1994. Used with permission

Illustration on page 49 is Used by permission.
© David C. Cook Publishing Co., 1978

Published by :

New Life Literature
Logos Centre, Horamavu Agara,
Hennur Road, Bangalore - 560 043

मरकुस क हाथा माण्डेड़ो चोखो समचार

भूमिका

परमेश्बर का बेटा ईशु मसी को चोखो समचार ई बात क सागै चालु होवै ह, "परमेश्बर का बेटा ईशु मसी को चोखो समचार।" ई समचार म ईशु न एक मेनती अधिकारी की जंय्यां बतायो गयो ह। अर बिको अधिकार बिकी सीख म, ओपरी बलाया प अर मिनखा क पापा न धोण क बारा म सामै आयो। इमै ईशु खुद न 'मिनख को बेटो' बोलै ह। बो मिनखा न पापा स अजाद करबा ताँई आपका पीराण देबा आयो।

मरकुस ईशु की सीख अर बचना प जोर कोनी देवै पण बिका कर्मा प जोर देवै ह। जणांई तो बो बिकी कथा न साफ सिधा अर चोखा ढंग स पेश करै ह। यूहन्ना बतिस्मो देबाळो, ईशु को बतिस्मो अर बिका बिचासणा स जुड़ी बाता क पाछै, लिखबाळो हाथ की हाथ ईशु की सीख बिकी निरोगा करबा की बाता अर सेवा कामा को बखान करबा लागै ह। जंय्यां-जंय्यां टेम बित्यो बंय्यां-बंय्यां ही ईशु की बाता न मानबाळा ओर चोखा ढंग स बिनै जाणबा लाग्या, पण बिका सामला ओर ज्यादा खतरनाक होता गया। आखरी पाठ म ई धरती प बिका आखरी अस्ता की बाता को बखान करता हुया, जामै खास खास बाता बिनै सूळी प चढ़ायो जाणो अर बिको जी उठबो।

रुप -रेखा

चोखो समचार को चालु होणो *1:1-13*
ईशु को गलील म लोगा की सेवा करणो *1:14-9:50*
गलील स यरुशलेम को दोरो *10:1-52*
यरुशलेम म आखरी अस्तो *11:1-15:47*
ईशु को जी उठबो *16:1-8*
ईशु को दर्शाव अर ईश्वर नगरी म जाणो *16:9-20*

यूहन्ना बतिस्मो देबाळा को हैल्लो

1 परमेश्बर का बेटा ईशु मसी[a] को चोखो समचार अंय्यां चालु होयो।
[2]जंय्यां की यशायाह परमेश्बर की खेबाळा की पौथी म मंडर्यो ह।
"देख म तेरो गेलो बणाबा ताँई तेरै पेल्या मेरा दूत न भेजुँ हूँ।
[3]बीड़ म एक हलकारो हैल्लो मारै ह। की, 'प्रबु ताँणी गेलो बणाओ, अर
बिको गेलो सिधो-सपाट करो'।"
[4]यूहन्नो बीड़ क मांय आयो अर बो बठै बतिस्मो देतो अर परचार करतो
हो की थे थारा हिया न पाप का गेलाऊँ बदळ'र बतिस्मो लेल्यो जिसै
परमेश्बर थारा पापा न धो देसी। [5]यहूदीयां
दिसावर अर यरुशलेम नगरी का घणक्राक
मिनख बिनै सुणबा बिकै कनै गया। अर बे
बठै जा'र आपका पापा न मान्या जिसै बो
बानै यरदन नंदी म बतिस्मो दियो। [6]यूहन्नो
ऊँट क बाळाऊँ बणेड़ा गाबा पेरतो हो अर
कमर प चमड़ा को पट्टो बाँध्या करतो हो।
बो टिड्डिया अर जंगली शैद खाया करतो हो

टिड्ड्याँ (1:6)

[7]अर बो मिनखा म परचार करतो हो की, "मेरै पाछै एक जणो आर्यो ह। बो
मेर हू बोळो महान ह, अर म तो बीकाळा जूता का सळू खोलबा जोगो ही
कोनी [8]अर म तो थानै पाणीऊँ बतिस्मो द्युँ हू पण बो थानै पवित्र आत्मा
स बतिस्मो देसी।"

ईशु को बतिस्मो अर परीक्षा

[9]बा दिना म अंय्यां होयो ईशु गलील का नासरतऊँ आयो अर बठै यूहन्ना
स यरदन नंदी म बतिस्मो लियो। [10]जंय्यां ई बो पाणी मऊँ बारनै निकळयो
बो देख्यो की अकास खुलगो अर पवित्र आत्मा कबूतर की जंय्यां बिपै उतरी।
[11]अर बादळा मऊँ हैल्लो आयो, "तू मेरो लाड़लो पूत ह, म तेरुँ बोळो राजी
हूँ।"

---

[a] **1:1** मिनखा न पापा स बचाबाळो राजा
1:2 मलाकी 3:1 **1:3** यशायाह 40:3

12इकै पाछै पवित्र आत्मा बिनै हात्युहाथ जोर दे'र बीड़ म लेगी। 13बठै
चालिस दिना ताँई शैतान[b] बिनै बिचासतो रियो अर बो बठै जंगली जीनावरा
क सागै रैहतो अर ईश्वर नगरी दूत बिकी खेचळ करता हा।

ईशु को सेवकाई करबो

14यूहन्ना न कोठड़ी क मांय न बन्द करबा क पाछै ईशु गलील गयो अर बठै
परमेश्बर को चोखो समचार लोगा न सुणाबा लाग्यो। 15बो खयो, "परमेश्बर
को राज कनै आबा को ठिक टेम आगो ह जिमै परमेश्बर राज करसी। ई ताँणी
थे पापाऊँ हियो फिराओ अर परमेश्बर का चोखा समचार प बिश्वास करो।"

मछुआ न ईशु बुलायो

16जद ईशु गलील दरियाव क किनारा किनारा जार्यो हो जणा बो शमोन
अर शमोन का भाई अन्द्रियास न देख्यो बे मछी पकड़बाळा हा, अर बि टेम
बे मछी पकड़बा ताँई दरियाव म जाळ गेर्‌या हा 17ईशु बण स बोल्यो, "मेरै
गेल आओ म थानै परमेश्बर ताँई मिनखा न ल्याबाळो बणास्युँ।" 18बे जाळ न
छोड़'र बिकै गेल हो लीया। 19अर बे ज्युँई थोड़ा सा आगै ढळयाक जणा बानै
जब्दी को बेटो याकूब अर बिको भाई यूहन्नो दिख्यो बे न्याव म जाळ सुधारा
हा। 20ईशु बानै तावळो सो आपकै कनै बुलायो अर बे आपका बाप जब्दी न
मजुरा क कनै छोड़'र खुद बिकै गेल होगा।

मिनख मऊँ ओपरी-बलाय काढ़ि।

21अर बे कफरनहूम गया अर यहूदीयां का आबाळा अराम हाळा दिन[c] ईशु
यहूदीयां की प्रार्थना करबाळी झघा गयो अर मिनखा न परबचन सीखाबा
लाग्यो। 22लोग बिका बचना न सुण'र ताजुब म पड़गा। क्युं क बो बानै शास्त्रा
न सीखाबाळा की जंय्यां परबचन कोनी देतो हो, पण एक अधिकारी की जंय्यां
परबचन देतो हो। 23बण यहूदीयां का प्रार्थना घर म एक मिनख हो जिकै मांय
ओपरी-बलाय ही अर बो चाणचुक्यो ही जोरऊँ बार घाल'र 24बोल्यो, "ओ

---

[b] 1:13 भूत पलिता को सरदार अर मिनखा अर परमेश्बर को बेरी।

[c] 1:21 यहूदी मिनखा को अराम हाळो दिन। बि दिन बै काम ऊँ अराम करता अर परमेश्बर
क भवन म जार बीकी भगती करता हा जिनै सब्त को दिन बोलै है।

नासरत का ईशु थारो-म्हारो काँई लेण-देण के तू म्हानै तब्बा करबाताँणी आयो ह, म जाणूँ हूँ की तू परमेश्बर को खरो मिनख ह!" 25बिकै अंय्यां बोलता ही ईशु बिनै दकाल्यो अर बिनै खयो, "तू चुपचाली रैह अर इमैऊँ बारै निकळ ज्या।" 26ओपरी-बलाय बी मिनख न मरोड़'र बार घालती बिमै स निकळगी। 27ई बातऊँ सगळाँ मिनख चोरंगा रैह्ग्या। अर आपसरी म बूझबा लाग्या, "आ बेधड़क सीखाबाळी नई सीख काँई है? अर ओ ओपरी-बलाय न भी ओडावै ह, अर बे इको खयो मानै ह।" 28अर आ कारनामा की टो-टो गलील अर बिकै कनै का सगळाँ गाँवा म होगी।

ईशु बोळा रोगला न निरोगो कर्यो

29बो तावळो सो यहूदीयां का प्रार्थना घर स निकळ'र याकूब अर यूहन्ना क सागै शमोन अर अन्द्रियास क घरा गयो। 30शमोन की सासु क उन[d] होरी ही जि बजै स बा बिछावणा म पड़ी ही बिकै बारा म बे ईशु न जद की जद बताया 31ईशु बिकै कनै जा'र बिको बावळ्यो पकड़'र बिनै उठायो अर बा निरोगी होगी अर जणा बा बाकी सेवा पाणी करबा लाग्गी। 32दिन आथ्या पाछै लोग रोगला न अर जिकै मांय न ओपरी-बलाय ही बानै बिकै कनै ल्याया। 33अर पूरी की पूरी नगरी बारना क आगै उल्ट पड़ी। 34ईशु बा रोगला न निरोगो कर्यो जो भाँत-भाँत की पीड़ा म हा। अर ओपरी-बलाय बी काढ़ि। अर बो बा ओपरी-बलाय न बोलबा कोनी देतो हो क्युं क बे बिनै जाणै ही।

गलील म ईशु को परचार

35बो भागपाट्या ही आपका घरा न छोड़'र उजाड़ म चलेगो अर बो बठै प्रार्थना करबा लाग्यो। 36शमोन अर बिका साथी-संगी ईशु न ढूँढबा निकळ्या। 37बे बिनै ढूँढ लियो अर बोल्या, "सगळाँ मिनख तनै ढूँढै ह।" 38ई बात न सुण'र ईशु बानै बोल्यो, "आओ ल्यो आपा दूसरी नगर्या म चालां, जिसै म बठै का मिनखा न बी चोखो समचार दे सकूं ई ताँई तो म आयो हू।" 39अर बो गलील का सगळाँ यहूदीयां का प्रार्थना घर म परमेश्बर को हैल्लो देतो गयो अर कई मिनखा मऊँ ओपरी-बलाय काढ़तो।

---

[d] 1:30 जोर की बुखार।

ईशु एक कोढ़ी को कोढ़ धोयो

40ईशु क कनै एक कोढ़ी आयो अर बो ईशुऊँ हाथ जोड़'र अरदास करबा
लाग्यो अर बोल्यो, "ज थे चाओ तो मेरो कोढ़ धो सको हो।" 41ईशु न बिपै
दया आई अर बो बिपै आपको हाथ धर'र खयो, "म चाऊँ हूँ, तू कोढ़ स
निरोगो हो।" 42अर बो कोढ़ी हात्युहाथ ई निरोगो होगो। 43-44ईशु बिनै
चिता'र बोल्यो, "देख तू ई बात क बारा म कोई न ई मना खिज्ये अर
याजक क कनै जा'र खुद न दिखा, अर मूसा की रीत गेल जंय्यां मंडेड़ो
ह तेरो कोढ़ धुपण की गुवाई म तू चढावो चढ़ा।" 45पण बो बारनै जा'र
सगळाँ म आ बात फिला दि जिसै ईशु बी नगरी म चोड़ै- धाड़ै कोनी
जा सक्यो। पण बो उजाड़ म रियो। अर बठै बी लोग च्यारूँमेर हू बिकै
कनै आर्या हा।

हवा भेहड़ा न निरोगो करबो

2 क्युंक दिना क पाछै ओज्युँ ईशु कफरनहूम म आयो। अर मिनखा न
ई बात को बेरो चाल्यो की बो घरा ह। 2अर बी घर क माईनै अर
बारनै अत्ता मिनख भेळा होया की बठै तिल धरबा की भी झघा कोनी री।
अर ईशु मिनखा न परबचन देर्यो हो। 3अत्ति बारा म ही बठै च्यार मिनख
एक हवा भेहड़ा मिनख न उठार ल्याया। 4पण घणी सारी भीड़ की बजै स
बे बिनै ईशु क कनै कोनी लेज्या सक्या। जणा बे अंय्यां कर्या की बे बी कोठा
की छात प चढ़गा अर जठै ईशु हो बठैऊँ बी छात न हठाया अर बे बिनै
खाटली प सुवा'र रस्सा क बळ ईशु क कनै लटका दिन्यो 5ईशु बाकाळा
बिश्वास न देख'र बी हवा भेहड़ा मिनखऊँ बोल्यो, "बेटा तेरा पाप धुपगा।"
6बी बठै शास्त्रा न सीखाबाळा भी बैठ्या हा। बे आप-आपका हिया म सोचबा
लाग्या, 7"ओ मिनख अंय्यां की बात क्युं बोलै ह। ओ तो परमेश्बर की बैजती
करै ह, परमेश्बर क अलावा किकी मजाल की बो पापा न धो सकै?" 8ईशु
आपकी आत्मा म जाणगो की बे आपका हिया म काँई सोचर्या ही। अर बो
बण स बोल्यो, "थे थारा हिया म ओ काँई सोचर्या हो। 9चोखो काँई ह, ई
हवा भेहड़ा न ओ खेणो की तेरा पाप धुपगा। नई जणा ओ खेणो खड़्यो हो
अर तेरी खाटली उठा'र चाल पड़। 10पण म थानै साँची बोलूँ हू की मिनख
का बेटा न ई धरती प पाप धोण को हक ह।" अर ईशु हवा भेहड़ा मिनख

न बोल्यो, 11"म तनै खेवूँ हू खड़्यो होर तेरी खाटली न ले'र तेरै घरा चल्यो
जा।" 12अर बो खड़्यो होर तावळो सो आप हाळी खाटली न उठा'र सगळाँ
की आँख्या क आगै ही चलेगो। अंय्यां को काम देख'र बाकै ताजुब होयो अर
बे आ बोल'र परमेश्बर की जै-जैका'र करी की, "म्हें अंय्यां को कार कदै ही
कोनी देख्या।"

ईशु लेवी न बुलायो

13ईशु ओज्युँ गलील दरियाव क किनारै गयो अर भीड़ बी बीकै गेल
आरी ही जणा ईशु बानै सीख देबा लाग्यो। 14अर चालता-चालताँई
ईशु हलफई का बेटा लेवी न चुंगी चोकी प बैठ्यो देख'र, बिनै बोल्यो,
"मेरै गेल आ।" अर बो खड़्यो होर बिकै गेल होगो।
15इकै पाछै ईशु लेवी क घरा जा'र जीमबा लाग्यो। अर बठै बिकै
अर बिका चेला क सागै चुंगी लेबाळा अर पापी बी जिमा हा क्युं
क अंय्यां का घणक्राक बिकै गेल आग्या हा। 16आ देख'र फरीसी अर
शास्त्रा न सीखाबाळा बिका चेला स बोल्या, "ईशु पाप करबाळा अर
चुंगी लेबाळा क सागै खावै पीवै ह!" 17ईशु बाकी बातां सुण'र बण
स बोल्यो, "निरोगा मिनखा न बैद की जुर्त कोनी होवै। रोगला न
ही बैद की जुर्त पड़ै ह। म धर्मिया ताँई कोनी आयो पण पाप्यां अर
अछूता ताँई आयो हूँ।"

बरत को सवाल

18एक बर अंय्यां होयो की यूहन्ना अर फरीसीयां का चेला ईशु क कनै
आया। अर बा दिना म अंय्यां होतो हो की यूहन्ना अर फरीसीयां का चेला
बरत करता हा जणा बे ईशु न बूझबा लाग्या, "यूहन्ना अर फरीसीयां का
चेला तो बरत करीं हीं, पण तेरा चेला बरत क्युं कोनी करीं?" 19ईशु
बोल्यो, "कणा अंय्यां होयो हो के बिन्द सागै अर बरात भूखी रैह? जद
ताँई बराती बिन्द क सागै ह बे बरत कोनी करीं। 20पण अंय्यां का दिन
बी आबाळा ही जद बनड़ो बण स दूर कर्यो जासी बे दिन बाकां बरत
करबाळा होसी।
21कोई बी पुराणा गाबा प नया सूति गाबा की कारी कोनी लगावै,
अर कोई लगा बी ले जणा धोण क पाछै बा नई कारी भेळी होर बि

गाबल्या न दुणो फाड़ गेरै। 22अंय्यां ही नयो दाखरस पुराणी बखाल [e] (खल्लड़) म कोनी भर्यो जावै क्युं क ज्युँ-ज्युँ बो उठै जणा बो दाखरस पुराणी बखाल न फाड़गेरै अर दाखरस अर बखाल (खल्लड़) दोन्युं ही खराब हो ज्यावै। ई ताँई नयो दाखरस नई बखाल (खल्लड़) म ही भर्यो जावै ह।"

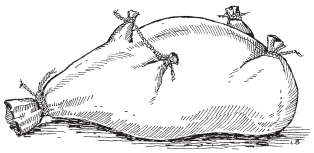

बखाल (2:22)

अराम हाळै दिन को प्रबु

23अंय्यां होयो की ईशु अर बिका चेला यहूदीयां का अराम हाळै दिन खेत मऊँ जार्या हा अर चेला चालता-चालता बाळी तोड़बा लाग्या 24फरीसी बानै अंय्यां करता देख'र ईशुऊँ बोल्या, "देख थारा चेला जो काम अराम हाळा दिन बरजेड़ो ह बो काम क्युं करीं ही?" 25ईशु बण स बोल्यो, "थे ओ कोनी बाच्या की जनाड़ै दाऊद अर बिका साथी-संग्याँ न भूख लागी अर रोट्याँ की जुर्त पड़ी जणा बो के कर्यो? 26बो कंय्यां महायाजक अबियातार क टेम म परमेश्बर क मन्दर म गयो अर भेट चढ़ायड़ि रोट्याँ खाई अर आपका साथी-संग्याँ न भी खुवाई जानै याजक क अलावा कोई न बी खाबा की इजाजत कोनी ही।" 27अर ईशु बण स बोल्यो, "अराम हाळो दिन मिनखा क भला ताँई बणायो गयो ह मिनख अराम हाळै दिन ताँई कोनी बणायो गयो। 28ई ताँई मिनख को बेटो अराम हाळै दिन को बी प्रबु ह।"

टुंडा मिनख न निरोगो करबो

3 ईशु ओज्युँ यहूदीयां का प्रार्थना घर म गयो बठै एक मिनख हो जो टुंडो हो। 2क्युंक मिनख ईशु प दोष लगाबा की ताक म बैठ्या हा। बे देखणो चावा हा की ईशु बी मिनख न अराम हाळै दिन निरोगो करै या कोनी करै। 3ईशु टुंडा मिनखऊँ बोल्यो, "मिनखा क मांय खड़्यो हो।" 4अर ईशु बण स बूझबा लाग्यो, "चोखो काँई ह? अराम हाळै दिन भलो करबो की बुरो करबो?

---

[e] **2:22** अंगूरा का रस न नया बखाल म घालर धर्यो जातो हो क्युं क जंय्या जंय्या अंगूरा को रस पुराणो होतो बिमै हवा बणती नयो बखाल तो बीकै सागै बढ़तो जातो पुराणा बखाल को काँई बढ़तो।"अर ओ बखाल चमड़ा को होतो हो।"

कोई न बचाणो की मारणो?" पण बाकी बोलती बन्द होगी। 5ईशु झाळां म भर'र च्यारूँमेर देख्यो अर बाका हिया न काठो देख'र बो बोळो दुखी होयो। अर ईशु टुंडा मिनख न बोल्यो, "तेरो हाथ आगै कर।" अर बो आपका हाथ न आगै कर्यो अर बिको हाथ चोखो होगो। 6इकै पाछै फरीसी बठैऊँ चलेगा अर हिरोद की मानबाळा मिनखा क सागै एक्को कर जाळ रच्यो की ईशु न कंय्यांसिक मारा।

घणी सारी भीड़ ईशु क गेल होगी

7ईशु आपका चेला क सागै गलील दरियाव क कनै गयो अर घणी सारी भीड़ बिकै गेल होली 8जिमै गलील, यहूदीयां, यरुशलेम, इदुमिया अर यरदन नंदी क परलै नाकै का अर सुर-सैदा क कनै का मिनख हा। अर बे ईशु का कारनामा न जो बो कर्या करतो हो बानै सुण'र बिकै गेल आया हा। 9भीड़ बिनै चीथ न सकै ई बजै स ईशु आपका चेला न बोल्यो, "मेरै ताँई एक छोटीसी न्यावड़ी को जोगाड़ लगाओ।" 10ईशु बोळा सारा मिनखा न निरोगो कर्यो हो ई ताँई घणा सारा रोगला बिकै हाथ अड़ाबानै बि प पड़र्या हा। 11जा मिनखा म ओपरी-बलाय होती बे बिनै देखता ही बिकै पगा म धोक खाता अर ओपरी-बलाय चिलाटि घाल'र खेती, "तू परमेश्बर को बेटो ह।" 12पण बो बानै दकाल्तो अर खेतो थे मनै मना दर्शाओ।

ईशु बारा चेला टाळयो

13ईशु डूँगरी प चढ़गो अर बो जिनै चावो हो बानै आपकै कनै बुलायो, अर बे बिकै कनै गया। 14बा मऊँ बो बारा न टाळयो अर बो बानै आपका प्रेरित[f] बणायो। ईशु बानै ई ताँई टाळयो की बे बिकै सागै सागै चाली। अर बानै बो चोखो समचार सुणाबा ताँई भेज सकै। 15अर बे ओपरी-बलाय न काढ़बा को हक बी राख सकीं। 16जाका नाम अंय्यां हा, शमोन जिको नाम बो पतरस रख्यो 17जब्दी को बेटो याकूब अर याकूब को भाई यूहन्नो जिको नाम बो बूअनर्गिस रख्यो जिको मतबल "गाज को बेटो" होवै ह। 18अंद्रियास, फिलीप्पुस, बरतूल्मै, मत्ती, थोमो, हलफई हलफई को बेटो याकूब, तद्दै अर

---

[f] **3:13** बे मिनख जानै खास काम के लिए टाळयो जावै अर जानै बा कामा न पूरो करबा ताँई खास हक देर भेज्यो जावै।

देश भग्त शमोन [19]अर यहूदा इस्करियोती ओ बोई ह जो ईशु न धोखा स
पकड़ायो हो।

ईशु शैतान की शक्ति न कोनी बरतै

[20]जद बो घरा गयो अर बठै ओज्युँ घणी सारी भीड़ भेळी होगी ई बजै
स ईशु अर बीकाळा चेला न रोटी खाबा को बी ओसाण कोनी हो। [21]जणा
ईशु का घरका सुण्या की ईशु बठै आयड़ो ह जणा बे बिनै लेण ताँणी
आया। क्युं क लोग ईशु क बारा म खेता हा इको चित ठिकाणै कोनी।
[22]यरुशलेमऊँ आयड़ा धर्मशास्त्रि खेता हा की, "ईशु क माईनै ओपरी-बलाय
को सरदार बालजबूल रळर्यो ह।" क्युं क ईशु बिकी शक्तिऊँ ई ओपरी-
बलाय न काढ़ै ह।

[23]ईशु बानै बुला'र नीति कथा म खेबा लाग्यो की, "शैतान न शैतान कंय्यां
काढ़ सकै। [24]ज कोई राज पाट म फूट पड़ज्या जणा बो राज पाट कंय्यां चाल
सकै ह। [25]अर घरका क मांय न फूट पड़ज्या जणा बो घर कंय्यां बस्यो रैह
सकै ह। [26]ज अंय्यां ही शैतान खुद म फूट गेर खुद क सामै खड़्यो होज्या जणा
बिको राज कंय्यां बण्यो रैह सकै ह? आ ढंगा तो बो तब्बा हो जासी। [27]ज कोई
तगड़ा मिनख का घर न लूटणो चावै तो पेल्या बी तगड़ा मिनख न बाँधणो
पड़सी जणा पाछै ही बिको घर लूट्यो जा सकै ह। [28]म थानै साँची-साँची खेवूँ
हू की मिनखा का सगळाँ पाप उरै ताँई परमेश्बर न बुरो भलो कहड़ो भी धुप
सकै ह [29]पण जो पवित्र आत्मा न बुरो भलो कहदै बो पाप कदैई धोयो कोनी
जा सकै। अर जो अंय्यां को पाप करै बो जुगान्तर को पापी हो ज्यावै।" [30](ईशु
आ बात ई ताँई बोल्यो क्युं क बठै खड़्या मिनख बोलर्या हा की इमै ओपरी-
बलाय रळरी ह।)

ईशु का भाईड़ा अर माँ

[31]ईशु की माँ अर भाई बठै आया, अर बारै ही खड़्या हो'र बिनै बुलावो
भेज्यो [32]ईशु क च्यारूँमेर भीड़ ही बे ईशु न बोल्या, "तेरी माँ अर तेरा
भाईड़ा तनै बारनै बुलावै ह।" [33]ईशु बण स बोल्यो, "मेरी माँ अर भाई
कुण ह?" [34]ईशु आपकै च्यारूँमेर बैठ्या मिनखा न देख'र बोल्यो, "देखो
अ मेरी माँ अर मेरा भाई ही। [35]जो परमेश्बर क कह्या गेल चालै बो ही
मेरो भाई-भाण अर माँ ह।"

बीज बोण की नीति कथा

4 दरियाव क किनारै ईशु ओज्युँ सीख देबा लाग्यो। अर बिकै च्यारूँमेर
घणी सारी भीड़ भेळी होगी। ई बजै स बो दरियाव म खड़ी न्यावड़ी क
मांय न बैठगो अर लोग दरियाव किनारै खड़्या होगा। 2ईशु बानै सीखदेबाळी
नीति कथा म कई बातां सीखातो हो, अर बो बानै अंय्यां सीखायो की, 3सुणो,
"एक बार की बात ह एक किसान हो अर बो बीज बोण ताँई गयो। 4अर
जद बो बीज बोण लाग्यो, जणा क्युंक बीज गेला क मांय न पड़या अर बानै
पन्छी चुग लेगा। 5अर क्युंक बीज कांकरा म पड़या अर बानै चायै ही बत्ती
माट्टी कोनी मिली जि बजै स बे तावळा ही निपज्याया 6पण सूरज उगता ही
तावड़ीऊँ बळगा क्युं क बाकी जड़ कोनी फेल पाई। 7अर क्युंक बीज झाड़या म
जा'र पड़या अर बानै झाड़ी फेल'र दबा दी। 8अर क्युंक बीज उपळी माट्टी म
पड़या अर उपज्या जिसै खूब पणप्या, अर बण स तीसुणा साठुणा अर सोगुणा
पैदावार होई।" 9अर ईशु बानै बोल्यो, "जिकै कान ह बो खोलल्यो।"

सीखदेबाळी नीति कथा को मकसद

10जद ईशु एकलो हो जणा बिकै कनै का मिनख बा बारा चेला क सागै
बिनै नीति कथा क बारा म बूझबा लाग्या 11ईशु बानै खेबा लाग्यो, "थानै तो
परमेश्बर का राज को भेद खोलेड़ो ह पण दूसरा मिनखा ताँई तो सगळी बातां
नीति कथा म ही होवै ह। 12जणांई तो,

"देखता-देखता बानै कोनी सुझै अर सुणता-सुणता कोनी सम्बळै अर
जणांई तो बे आपका हिया न कु गेलाऊँ कोनी बदळी अर परमेश्बर
बानै माफ कोनी करै।"

बीज बोण की नीति कथा को खुल्लासो

13ईशु बण स बोल्यो, "आ नीति कथा थारै पल्लै कोनी पड़ी जणा बाकी की
नीति कथा कंय्यां पल्लै पड़सी? 14किसान जो उगावै ह बो तो परमेश्बर को
बचन ह। 15जो बीज गेला क मांय न पड़्या अ बे लोग ह जो बचन सुणै ह पण
शैतान आर बी बचन न चुरा ले जावै ह। 16जो बीज कांकरा क मांय न पड़्या

4:12 यशायाह 6:9-10

अ बे लोग ह जो बचन न सुणी ही अर बिनै राजी-पेटाऊँ मानी बी ही 17पण
बो बचन बाकै हिया म जड़ कोनी पकड़ पावै जि बजै स जद बापै दुख अर
सताव आवै जणा बाको बिश्वास मर ज्यावै ह। 18जो बीज झाड़या क माईनै
बोया गया अ बे लोग ह जो बचन सुणी 19पण जीण को घ्यार, मो-माया को
लालच अर मन की बुरी बातां बाका हिया म ही बचन न दबा देवै ह, ई ताँई
बे बीज फळी कोनी। 20अर जो बीज उपळी माट्टी म बोया गया अ बे लोग ही
जो बचन सुण'र बिनै मानी ही अर बिकै गेल फळी, जिसै बे तीसुणा, साठुणा,
सोगुणा अर सौ गुणाऊँ बी घणो फळ ल्यावीं।"

कुण्डा तळै दिवो

21ईशु बण स बोल्यो, "कोइनै दियो जळा'र बिनै कुण्डा अर खाट क तळै
म्हेंलता देख्या हा के? पण बिनै आळया म म्हेंली ही जिसै बो सगळाँ कोठा न
च्याण्णो दे। 22जो क्युं बी ओला म ह बो चौड़ा म ल्याओ जासी अर जो क्युं
ढकेड़ो ह बिनै खोल्यो ज्यासी। 23जिकै कान ह बो खोल ल्यो।"

24बो बण स बोल्यो गोर कर'र सुणज्यो, "जंय्यां थे लोगा क सागै करो हो
बंय्यां ही परमेश्बर थारै सागै करसी अर बिसै बी बत्ती करसी। 25जिकन ह
बिनै ओर दियो जासी, अर जिकै कनै कोनी बिसै जो क्युं बिकै कनै ह बो भी
ले लियो जासी।"

बीज की नीति कथा

26ईशु बोल्यो, "परमेश्बर को राज खेत म बीज बोणिया मिनख की जंय्यां
ह। 27अर बो तो रात न सोतो अर दिन म जागतो। अर कद बा बीजा म कुपळ
आई अर कद बे बढया बिनै तो काँई बात की खबर ही कोनी पड़ी। 28धरती
खुद ही उपजावै पेल्या कुपळ आवै जिकै पाछै बाळी अर बाळया म खूब दाणा।
29अर जद दाणा पक जावै ह जणा बो बेगो सो दातळी ले'र काटबा लागज्या
क्युं क लावणी को टेम आ ज्यावै ह।"

राई का दाणा की नीति कथा

30ईशु ओज्युँ बोल्यो, "आपा परमेश्बर का राज न किसै दर्शा सकां हा, अर
बिनै की बातऊँ समझा सकां हा? 31ओ राई क दाणा की जंय्यां को ह जिनै
जमीन म बोयो जावै अर ओ दाणो सगळाँ बीजा मऊँ छोटो होवै। 32पण जद

इनै बोयो जावै जणा ओ दाणो उग'र धरती का सगळाँ बोज्जा मऊँ बडो होज्या ह। इकी डाळयाँ अत्ति बडी होवै की पंछी बा प घुर्सळो घालै।"

33अंय्यां की नीति कथा सुणा'र बो बानै बचन सुणाया करतो हो, अर बो बानै
बाकी बुद्धि गेल ही सीखातो हो। 34बिना नीति कथा क क्युं ई कोनी सीखातो
हो पण जद बो आपका चेला क सागै एकलो होतो जणा बो बानै सगळीं बातां
को भेद समझाया करतो हो।

ईशु तौफान न डाट्यो

35जनाड़ै आथण्या ईशु चेला न बोल्यो, "आओ ल्यो आपा दरियाव क परलै-
पार चालां" 36ई बजै स बे भीड़ न बठै ही छोड़'र ईशु जि न्याव म बैठ्यो हो
बी न्याव म ही बिनै ले'र रवाना होया। बठै ओर बी न्यावा ही। 37बाकै रवाना
होण क पाछै जोर सूँ तौफान चालबा लाग्यो। अर दरियाव म झाल उठबा
लाग्गी अर न्याव क पछाड़ा मारबा लागी अर न्याव म पाणी भरबा लाग्यो।
38पण ईशु न्याव क गेलड़ै नाकै सुत्यो हो। चेला बिनै जगाया अर बिसै बोल्या,
"ओ गुरजी थानै क्युंई परवा कोनी के? म्हें डुब बाळा हा।" 39ईशु खड़्यो होर
तौफान न दकाल्यो अर झालऊँ बोल्यो, "थम ज्या" अर तौफान थमग्यो अर
बठै सक्युं श्यान्त होगो। 40अर ईशु बण स बोल्यो, "थे क्यालै डरो हो? थानै
हालबी बिश्वास कोनी के?" 41बे डरग्या अर आपसरी म बूझबा लाग्या, "ओ
कुण ह? जिको खयो हवा अर पाणी भी मानै ह।"

ईशु नुगरी आत्मा न काढ्यो

5 बे दरियाव क परलै नाकै गिरासेनियो नाम का परदेस म गया, 2ईशु जद
न्याव मऊँ उतर्यो जणा बठै एक मिनख मूसाणा मऊँ ईशु क कनै आयो
बिकै मांय न नुगरी-आत्मा ही 3बो मूसाणा क मांय न रैह्तो हो बिनै कोई भी
साँकळाऊँ कोनी बाँध सक्यो। 4क्युं क बिनै बोळी बार साँकळां हू बाँध्या हा
पण बो साँकळां न तोड़ देतो अर बानै पीस गेरतो, बिनै कोई भी बस म कोनी
कर सक्यो। 5बो मूसाणा अर डूँगरा म चिलाटि घालतो भटकतो, अर खुद न
भाठ्ठाऊँ मारतो हो।

6बो ईशु न परै स देख'र बिकै कनै भाग'र गयो अर बिका पगा म पड़ग्यो 7अर
बार घालतो बोल्यो, "ओ ईशु परम पीता परमेश्बर का बेटा थारो म्हारो काँई
लेण देण? ज मनै दिन घाल्या तो, थानै परमेश्बर की सोगन लागै।" 8[क्युं क

ईशु बिनै खयो हो, “हे नुगरी इकै माईऊँ निकळ ज्या।”] 9अर ईशु बिनै बूझ्यो, “तेरो नाम काँई ह?” बो ईशुऊँ बोल्यो, “मेरो नाम पलटण ह क्युं क म्हें घणी सारी हा।” 10अर बो ईशुऊँ हाथ जोड़’र अरदास करबा लाग्यो, “म्हानै देश निकाळो मना दे।”

11अर बी टेम बठै डूँगर प सुलडा को रेवड़ चरै हो। 12जणा बा पलटण ह जखी ईशु स अरदास कर’र बोली, “म्हानै तू बामै जाबा दे जिसै म्हें बामै रळज्यावां।” 13जणा बो बानै हुकम दिन्या अर बा पलटण ही जखी बि मिनख मऊँ निकळ’र बा सुलडा क मांय न जा रळी। सुलडा करीब दो हजार हा। बे सुलडा डूँगर क उपरऊँ ई गुळ-गच्ची खा’र दरियाव क मांय न जा’र पड़या अर डुब’र मरगा।

14बी रेवड़ का गुवाळयाँ जो बा सुलडा न चराता हा बे भाग’र नगरी अर बिकै कनै की ढ़ाणि-ढ़फाण्या म जा’र ओ समचार सनै खे सुणायो। बठै जो होयो हो बिनै देखण ताँई लोग भेळा होगा। 15बे ईशु क कनै आर देखया जणा बो मिनख जिमै बे नुगरी-आत्मा ही बो सूल ढंग हू गाबा पेर’र सतूना म बैठ्यो हो। अर बे बिनै देख’र डरग्या। 16अर बी घटना न देखणिया बा मिनखा न बताबा लाग्या की जिकै मांय न नुगरी-आत्मा ही बिकै सागै अर सुलडा क सागै काँई होयो? 17लोग ईशुऊँ अरदास करबा लाग्या की तू अठैऊँ चल्यो जा।

18जणा ईशु न्याव म चढ़बा लाग्यो जणा बो मिनख जिमै पेल्या नुगरी-आत्मा ही ईशुऊँ अरदास करबा लाग्यो, “मनै बी तेरै सागै ले चाल।” 19पण ईशु बिनै नट्यो अर बिनै बोल्यो, “तेरा घरा जा अर तेरा मिनखा न अ सगळी बातां बता जो प्रबु तेर ताँई कर्यो ह। अर बानै अंय्यां बी बता की प्रबु कंय्यां सिक तेर प दया करी ह।” 20अर बो मिनख चलेगो अर दस नगर्या म जा’र बठै का मिनखा न बताबा लाग्यो की ईशु बी ताँणी कितनो बडो चमत्कार कर्यो ह। ई काम की बजै स मिनखा न ताजुब होयो।

मरेड़ी छोरी अर रोगली लूगाई।

21ईशु ओज्युँ दरियाव पार कर किनारा प हो जद ही बिकै च्यारूँमेर घणी सारी भीड़ भेळी होगी। 22जणा यहूदी प्रार्थना घर का सरदारा म स एक जणो जिको नाम याईर हो बठै आयो अर बो ईशु न देख्यो अर बिकै पगा पड़’र 23अरदास करतो बोल्यो, “मेरी नानी छोरी मरबाळी ह, म तेरूँ हाथ जोड़ खेवूँ हू मेरै सागै चाल’र तेरो हाथ बिपै धर दे जिसै बा बच ज्यावै।” 24जणा ईशु

बिकै सागै चाल पड़्यो अर घणी सारी भीड़ बी बिकै गेल होली। अर लोग बिपै टूट'र पड़ै हा।

25बामै एक लूगाई ही जो बारा बरसा हू लोय भेबा का रोग हू दुखी ही 26बा सगळाँ जतन कर देखली अर भाँत भाँत का बैदा की दवाई ले'र देखली पण भापड़ी क क्युं ई अराम कोनी हो। अर जो क्युं बिकै कनै पूण पावलो हो बो बी ई बिमारी की दवा-दारुँ म बोया बैठी ही। पण बिकी हालत घणी खराब होगी। 27-28जद बा ईशु क बारा म सुण्यो बा भीड़ क माईऊँ ईशु क गेल आई, क्युं क बा आपका हिया म ध्यार राखी ही, "ज म ईशु का गाबा की कोर क हाथ अड़ा द्युँ तो म निरोगी हो ज्याउंगी।" अर जंय्यांई बा बिका गाबा क हाथ अड़ायो। 29बिको हात्युहाथ लोय बहणो बन्द होगो अर बा आपकी काया म जाणगी की म निरोगी होगी हू। 30अर जद की जद ईशु न बी लाग्यो की बिकै माईऊँ शक्ति निकळी ह। ईशु गेल न मुड'र बूझबा लाग्यो, "मेरा गाबा क कुण हाथ अड़ायो ह?" 31जणा ईशु का चेला बिनै बोल्या, "तू देखर्यो ह की भीड़ तनै च्यारूँमेर स दबाया जा री ह। अर तू बूझै ह की थारै कुण हाथ अड़ायो?" 32पण ईशु च्यारूँमेर देख्तो रियो की अंय्यां को काम कुण कर्यो ह। 33बा लूगाई जाणती ही की बिकै सागै काँई होयो ह? बा डरती - डरती आई अर ईशु क पगा म पड़'र सगळी बातां साँची-साँची बता दी। 34अर ईशु बिनै बोल्यो, "बेटी तेरो बिश्वास तनै बचायो ह, सुखऊँ चली जा अर बिमारी स बची रैह।"

35बो अंय्यां बोल ही रियो हो अत्तामई यहूदी धर्म सभा भवन का अधिकारी क घराऊँ लोग आया अर बे याईरऊँ बोल्या, "इब गुरु न दिन मना घालो क्युं क थारी छोरी तो चलती री।" 36ईशु बाकी बातां न सुण्यो अर याईरऊँ बोल्यो, "डरै मना बस तू तो बिश्वास राख।" 37अर ईशु बठै सगळाँ न छोड़ आपकै सागै पतरस, याकूब अर याकूब का भाई यूहन्ना न ले'र 38याईर क घरा गयो। अर बठै देख्यो की लोग जोर-जोर सूँ बार घोड़ो मचा राख्यो हे। 39बो मांय न गयो अर बण स बोल्यो, "थे क्युं बार- तोबा मचाओ हो? छोरी तो मरी कोनी पण सुत्ती ह।" 40बिकी ई बात न सुण'र लोग बिको तमासो करबा लाग्या। पण ईशु मिनखा न बारै काढ़'र छोरी का माँ-बाप अर आपका चेला न सागै ले'र बठै गयो जि कोठा म छोरी ही। 41ईशु छोरी को हाथ पकड़्यो अर बोल्यो, "तलीता कूमी! (इको मतबल ह नानी छोरी) म तनै बोलूँ हूँ खड़ी हो ज्या।" 42अर बा नानी छोरी तावळीसी खड़ी होगी अर अठिन बठिन चालबा-फिरबा लागी। (बा छोरी बारा बरस की ही।) बे बिनै देख'र ताजुब म पड़गा। 43ईशु

क सागै जो हा बानै बो चिता'र हुकम दिन्यो की ई बात क बारा म किनैई मना खिज्यो अर बो बोल्यो, "ई छोरी न खाबा ताँई किमी द्यो।"

नासरत म ईशु को निरादर

6 इकै पाछै ईशु बी झघै न छोड़'र आपकी नगरी क मांय न गयो। बिका चेला बी बिकै सागै हा। 2यहूदीयां का अराम हाळै दिन ईशु यहूदीयां का प्रार्थना घर म गयो अर बठै परबचन सिखाबा लाग्यो। ईशु को परबचन सुण'र लोग ताजुब म पड़गा। बे बोलबा लाग्या, "इकै कनै अ बातां कठैऊँ आई। अर इनै ओ कुणसो ज्ञान देयड़ो ह, अर ओ बडा-बडा चमत्कार कंय्यां करै ह? 3के ओ बोई खाती कोनी के? जो मरियम को बेटो अर याकूब, युसफ, यहूदा अर शमोन को भाईड़ो ह। इकी भाणा आपणै सारई कोनी री के?" ई बजै स बै लोग ईशु की कोनी सुणी। 4ईशु बण स बोल्यो, "परमेश्बर की खेबाळा (नबी) को निरादर आपका खुद की नगरी, रिस्तेदार अर कुणबा न छोड़'र कठै ही कोनी होवै।" 5अर बो बठै क्युंई चमत्कार कोनी कर सक्यो। पण क्युंक सा बिमारा प हाथ धर'र बानै ठिक कर्यो। 6ईशु न बाका अबिश्वास प ताजुब होयो अर बो कनै का गाँवा म जातो अर सीखातो रियो।

ईशु आपका बारा चेला भेज्यो

7ईशु आपका बारा चेला न आपकै कनै बुलायो। अर बो बानै दो-दो जणा न बारै भेजबा लाग्यो अर बो बानै ओपरी-बलाय प हक दियो। 8अर बानै हुकम दियो, "थे थारी लाठी न छोड़'र किमि बी सागै मना लियो न रोटी, न झोळी अर न बटवा म रीपया 9थे लीतरा तो पेरल्यो पण दुजो कुर्तो सागै मना लियो। 10जिकै बि घरा थे जाओ बठै ई बासो लेता रियो जद ताँई थे बी नगरी म रेह्वो। 11अर कोई गाँव अर नगरी म थारी आवभगत न होवै तो थे बी नगरी अर गाँवऊँ बारै चल्या जायो अर बण क खिलाफ बानै चिताणा ताँई थे थारै लीतरा की धुळ बी बठै हि झाड़ दिज्यो।"[g] 12अर बे बठैऊँ जा'र पापाऊँ हिया फिराबा को हैल्लो पाड़्यो। 13अर बे घणी सारी ओपरी-बलाय निकाळी अर घणा सारा रोगला न जैतून को तेल लगा'र (अबिषेक) निरोगा कर्या।

---

[g] **6:11** आ ई बात की निशाणी ह की अंय्यां करके चेला बणको इंकार करीं हीं।

बतिस्मा देबाळा यूहन्ना की हत्या

14राजा हेरोदेस[h] ईशु क बारा म सुण्यो, क्युं क ईशु की बातां सगळी झघै
फेलगी ही। कई मिनख बोलता हा की बतिस्मो देबाळो यूहन्नो मरेड़ा म स
जीगो ह। ई बजै स बिकै मांय न चमत्कारी शक्ति काम करै ह। 15पण कई
बोलता हा की 'बो एलियो[i] ह।' अर कई बोलता हा की 'ओ कोई पुराणा टेम
को परमेश्बर की खेबाळा की जंय्यां को एक ह।' 16पण हेरोदेस बिकै बारा म
सुण्यो तो बो बोल्यो, "ओ तो यूहन्नो ह जिको सिर म कटवायो हो ओ ओज्युँ
स जिन्दो होगो।" 17हेरोदेस राजा खुद का सीपाईड़ा न भेज'र बिनै बन्धा'र
कोठड़ी म गीरवा दिन्यो। अर हेरोदेस राजा खुद का भाई फिलीप की घरहाळी
जिको नाम हिरोदियास हो बिकै सागै बो ब्याह कर लियो। 18ई बजै स यूहन्नो
हेरोदेस न कहतो हो, "तू जो अंय्यां को काम कर्यो ह ओ ठिक कोनी ह। की तू
तेरा भाई की लूगाई न ब्याली ह।" 19ई बजै स हेरोदिया यूहन्ना स बैर राखबा
लाग्गी। अर चावती ही की यूहन्नो मार्यो जाय। पण बा बिनै मार कोनी सकीं।
20क्युं क हेरोदेस राजा यूहन्ना स डरतो हो। अर जाणतो हो की यूहन्नो एक
खरो अर धर्मी मिनख ह। ई बजै स बो बिकी रुखाळी करतो हो। अर हेरोदेस
यूहन्ना की बातां न सूण'र बोळो घबरातो हो। इकै पाछै म बी बिनै यूहन्ना की
बातां चोखी लागती ही।

21कुदरती हिरोदियास क हाथ अंय्यां को मौको लाग्यो की एक दिन ओ
हेरोदेस राजा खुदका जलमदिन प दरबारिया न, सेनापत्तियां न अर गलील का
मान्यां-थान्यां मिनखा न बुलायो। 22बी दिन हिरोदियास की छोरी (बेटी) बठै
आई अर नाच'र, जीमबा आया सगळाँ मिनखा न अर राजा हेरोदेस न राजी
कर दी। ई बजै स राजा बिनै बोल्यो, "माँग तू काँई चावै ह जो तू माँगसी म
तनै देस्युँ।" 23बो बचन देर बिनै बोल्यो, "तू माँग! ज तू मेरो आद्दो राज-पाट
बी माँगसी तो म तनै दे देस्युँ।" 24अर बा आपकी माँ क कनै गई अर बिसै
बूझबा लागी, "मनै के माँगणो चाए?" बिकी माँ बिनै बोली, "यूहन्ना बतिस्मो
देबाळा को सिर।" 25अर बा तावळीसी भाग'र राजा क कनै गई अर बा राजाऊँ

---

[h] **6:14** हैरोद अन्तिपास जो गलील को राजा हो अर महाधिराज हिरोद को बेटो हो

[i] **6:15**
ओ एक अंय्यां को मिनख हो जो ईशु का टेम हू सेकड़ो बरसा पेली परमेश्बर की खेबाळो होयो हो।

बोली, “मनै यूहन्ना बतिस्मो देबाळा को सिर कटवा’र थाळी म धर’र इब की स्यात दियो जाय।” 26ई बात न सुण’र राजा बोळो दुखी होयो। पण हेरोदेस राजा होण क नातै आपकी जुबान अर म्हेंमाना की बजै स बो आपकी बेटी न मना कोनी कर सक्यो। 27अर राजा एक जल्लाद न हुकम दियो की बो यूहन्ना को सिर काट’र ल्यावै। 28अर बो जल्लाद कोठड़ी क मांय न गयो अर यूहन्ना को सिर काट’र, बिनै थाळी क मांय न धर’र बी छोरी न दियो। अर बा छोरी बिनै आपकी माँ न देदी। 29अर यूहन्ना का चेला जद ई बात क बारा म सुण्या तो बे बठै गया अर यूहन्नो की लाश (शव) ले’र आया अर बिनै एक कबर क मांय न धर दी।

चेला को ओज्युँ स आणो अर सुनसान झघै म जाणो

30प्रेरित भेळा होर ईशु क कनै आया। अर जो क्युं बै कर्या अर सिखाया हा बिनै सक्युं खेसुणायो। 31बाकै कनै मिनखा को तांत्यो लागर्यो हो। अर बानै रोटी खाबा को बी ओसाण कोनी हो। ई बजै स ईशु बण स बोल्यो, “आओ ल्यो आपा कोई उजाड़ म जा’र अराम कर ल्याँ।” 32बे न्याव म चढ़र उजाड़ म चलेगा।

पाँच हजार मिनखा को पेट भर्यो

33बानै जाता देख लोग बानै पीछाणगा अर सगळी नगर्या का मिनख भेळा हो’र भाग’र बिकै अगाऊ बठै पूँचगा। 34जद ईशु न्याव स तळै उतर्यो जणा बिनै घणी सारकी भीड़ दिखी अर बो बापै तरस खायो। क्युं क बे बा (भेड्यां) लल्डियां की जंय्यां हा, जाको गुवाळयो कोनी होवै। अर ईशु बानै घणी सारकी बातां सिखाबा लाग्यो।

35अर जद दिन आथबा लाग्यो जणा ईशु का चेला बिकै कनै आर बोल्या, “आ तो उजाड़ ह अर मोड़ो भी बोळो होगो। 36ई ताँणी तू आ मिनखा न बिदा कर दे जिसै बे कनै का गाँव बस्तियाँ म जा’र खुद ताँई रोटी मोल ले सकीं।” 37बो बण स बोल्यो, “थे ही आनै खाबा ताँई द्यो।” बे बिसै बोल्या, “के म्हें दो सौ दिनारा[j] की रोटी मोल ले’र आवां अर बानै खुवावां?” 38ईशु बण स बोल्यो, “जाओ अर देखो थारै कनै कत्तीक रोटी ह।” अर बे बेरोपाड़र बिनै बताया की

---

[j] **6:37** दो सौ दिनार को मतबल होवै ह लगभग आठ मन्हा की मजदुरी

म्हारै कनै पाँच रोटी अर दो मछीयां ह। 39अर बो बानै हुकम दियो की सगळाँ
न घास प पंगत म बिठा द्यो। 40अर बे सौ-सौ की अर पच्चास-पच्चास की
पंगता बणार बैठगा। 41ईशु पाँच रोटी अर दो मछी न हाथ म लियो अर ईश्वर
नगरी कानी देख'र परमेश्बर को धनेवाद कर्यो, अर बिकै पाछै बो रोट्याँ ली
अर रोट्याँ का टुक-टुक कर चेला न देतो गयो, जिसै बे मिनखा न जिमा सकै
अर बा दो मछीयां न बी बा सगळाँ म बाट दि। 42सगळाँ जणा खा'र धापगा।
43बिकै पाछै बी रोटीयां अर मछियांऊँ भरेड़ा बारा चोल्या बचगा। 44रोटी
खाबाळा म पाँच हजार तो मोट्यार-मोट्यार हा।

ईशु पाणी प पगा चाल्यो

45ईशु चेला न बोल्यो की तावळा सा न्याव म चढ़ ज्यावो अर बैतसैदा जो
दरियाव क परलै नाकै ह बठै मेरुँ अगाऊँ पूँचो अर म आनै बिदा कर्र आऊँ
हूँ। 46बानै बिदा कर्र ईशु डूँगर प प्रार्थना करबा चलेगो। 47अर दिन आथगो,
न्याव दरियाव क बीच म ही, जद ईशु जमीन प एकलो हो। 48अर ईशु देख्यो
की चेला न्याव चलाता-चलाता सांस फुलगा ही। क्युं क सामै की भाळ चालरी
ही ईशु भागपाट्या दरियाव प चालतो होयो बाकै कनै आयो अर बो बण स
अगाऊँ जाणो चावहो। 49पण बे बिनै दरियाव प चालतो देख'र बिचार्या, "ओ
तो भूत ह" अर बे कुकबा लाग्या। 50क्युं क बे सगळाँ बिनै देख'र डरग्या। पण
ईशु तावळो सो बण स बातां कर्यो अर बोल्यो, "ढाढ़स बाँधो, म हूँ, डरपो
मना।" 51अर बो बाकै कनै न्याव प गयो अर भाळ थमगी अर बे ताजुब करबा
लाग्या। 52अर बाकै रोटीयां क चमत्कार क बारा म बी कोनी पल्लै पड़ी क्युं
क बाकी मती बँधरी ही।

गन्नेसरत म रोगला न निरोगो करबो

53अर बे दरियाव न पार कर गन्नेसरत म पुचर बठै ही न्याव न बाँध दी।
54अर न्यावऊँ उतर ताँई लोग बिनै पीछाणगा। 55अर सारै की बस्तियाँ म
भाग'र गया अर बठैका मिनखा न बताया बे रोगला न खाट्ल्या म घालर
बिकै कनै ल्याया। 56ईशु जि गाँव, नगरी अर बस्तियाँ म जातो हो लोग बठैई
रोगला न बजारा म ल्यार बिसै अरदास करता हा की बो बानै आपका गाबा
की कौर क हाथ अड़ाबा दे अर जत्ता बी बिकै हाथ अड़ाता हा बे निरोगा हो
ज्याता हा।

रिती-रीवाज न निभाणो

7 फरीसी अर शास्त्रा न सीखाबाळा जो यरुशलेमऊँ आया हा अर बे ईशु
क कनै भेळा होया 2अर बे ईशु का चेला न हाथ धोया बिना रोटी खाता
देख्या। 3(फरीसी अर सगळाँ यहूदी आपका बढ़का की लीक पीट्या करता हा,
अर बे बिना हाथ धोया रोटी कोनी खाता हा। 4अर बे बजार म जा'र आता
तो बी बिना न्हाई-धोई करै रोटी-टुक कोनी खाता। अर आ बातां न छोड़'र
ओर बी बोळी बातां ही जिनै बे निभाता हा, जंय्यां लौटा, घड़ा अर तांबा का
भांढा न धोणो अर माँजणो।) 5ई बजै स बे फरीसी अर शास्त्रा न सीखाबाळा
ईशु न बूझ्या, "थारा चेला क्युं बढ़का (पूर्वजो) का रिती रीवाज प कोनी चालै,
अर सूल हाथ धोया बिना ही रोटी खावै ह?" 6ईशु बण स बोल्यो, "यशायाह
नबी थारा जंय्यां का दोगला मिनखा ताँई परमेश्बर कानीऊँ ठिक ही बोल्यो
हो। जंय्यां मंडर्यो ह,

'अ लोग होठाऊँ तो मेरो मान करीं ही पण आको हियो मेरऊँ दूर ह। 7अ
बेकाम ही मनै ध्यारी ही। अर मिनखा का बणायड़ा नियमा न मेरा
करके सिखावी हीं।'

8थे परमेश्बर का हुकम न टाळके मिनखा का रिती-रीवाजा न मानो हो। 9थे
बोळा चतर हो जो परमेश्बर का हुकमा न टाळर थाकाळा रिती- रीवाजा न
मनवाबाळा हो। 10जंय्यां मूसा खियो ह,

'थे थारी माँ अर बाप की इज्जत करो, अर कोई बी मिनख आपकी माँ
अर बाप को बुरो करै बिनै मार देणो चायै।'

11पण थे मिनखा न अंय्यां सिखार्या हो की जद थारा माँ-बाप थारै कनैऊँ
कोई चिज माँगै तो थे बानै बोलो हो की बा तो कोर्बान[k] ह, (जिक्को मतबल
परमेश्बर न चढ़ाऐड़ी ह)। अंय्यां बोलर थे थारा माँ-बापा की सेवा करबा स
बरी हो ज्यावला। 12अर थे अंय्यां सिखा'र मिनखा न बा का माँ-बापा की सेवा
कोनी करबा द्यो 13अर थे अंय्यां का रिती-रीवाजाऊँ जो थारा बणाईड़ा हीं
आनै निभाण ताँई परमेश्बर का बचन न टाळ द्यो हो। अर अंय्यां-अंय्यां का
ओर बी घणा सारा काम ह जो थे करो हो।"

---

[k] **7:11** जिक्को मतबल परमेश्बर न चढ़ाऐड़ी चिज ह अर इनै बो बरत बी सकै ह।

7:7 यशायाह 29:13 **7:10** निर्गमन 20:12, 21:17

मिनख न सुगलो करबाळी बातां

14ईशु ओज्युँ भीड़ न बुलायो अर बो बोल्यो, "थे सगळाँ मेरी सुणो अर
समझो। 15अंय्यां की कोई बी चिज कोनी ह जो मिनख न बारैऊँ बिकै मांय
जा'र बिनै सुगलो करै 16[पण जो चिजा मिनखा क माईऊँ निकळै ह बे बिनै
सुगलो करै ह। जिकै सुणबा ताँई कान हो बो सुण ले।][l]" 17अर ईशु भीड़ न
बठैई छोड़'र घर क मांय न गयो अर बिका चेला बिनै ई नीति कथा क बार
म बूझबा लाग्या। 18ईशु बण स बोल्यो, "के थारै बी कोनी पल्लैपड़ी? के थे
कोनी जाणो की जखी चिज बारैऊँ मिनख क मांय न जावै ह बा बिनै सुगलो
कोनी करै। 19बे चिजा हिया म कोनी जावै पण पेट क मांय न जावै अर निकळ
जावै ह।" अर बो अंय्यां बोलर खाबाळी सगळी चिजा न शुद्ध बताओ। 20पाछै
ईशु बोल्यो, "मिनख हियाऊँ जो बिचारै ह बो बिनै सुगलो करै ह। 21मिनख क
हियाऊँ बुरा-बुरा बिचार, कुकर्म, चोरी, हत्या, 22व्यबिचार[m], लोभ, कमीणो-
पुंणो, दोगलोपुणो, ठगणो, बेहूदोपुणो, बळोकड़ोपुणो, कोई ताँई बुरो बोलबो,
गुमान अर गोबुपुणो (मोथोपुणो) बारै निकळै ह। 23अ सगळी बुरी-बुरी बातां
मिनख क माईऊँ निकळर बिनै सुगलो करै ह।"

सुरुफिनीकी जात की लूगाई को बिश्वास

24ईशु बी झघा न छोड़'र सुर नाम की नगरी म एक घर क मांय न गयो। अर
बो चावै हो की बिकै आबा को बेरो कोई न ही न पड़ै, पण बो छापळ कोनी
सक्यो। 25ईशु क बारा म सुण'र एक लूगाई जिकी छोरी म ओपरी-बलाय
ही बठै बेगीसी आर ईशु का पगा म पड़गी। 26आ लूगाई यूनानी हि अर इको
जलम सिरीया क फिनीकी परदेस म होयो हो, आनै यहूदी अछूत मानता हा।
बा लूगाई ईशुऊँ अरदास करती बोली मेरी छोरी मऊँ ओपरी-बलाय काढ़
दे। 27ईशु बी लूगाई स बोल्यो, "पेल्या टाबरा न धापबादे, टाबरा की रोट्याँ
न गण्डकड़ा क आगै बगाणो चोखो कोनी।" 28बा लूगाई ईशुऊँ बोली, "प्रबु
थाकाळी भी साँची ह पण टाबर की रोटी का बिखरेड़ा माखणा गण्डकड़ा ही
तो खावी ही।" 29ईशु बिकी बात न सुण'र बिसै बोल्यो, "तेरी ई बात की बजै

---

[l] **716** पुराणी पौथी म आ बात कोनी।

[m] **7:22** ब्याह करै पाछै बिराणी लुगाई अर मोट्यार क सागै गंदो काम करनो व्यबिचार ह।

स थाकाळी छोरी क माईऊँ ओपरी-बलाय कढ़गी ह, इब तू राजी-खुशी जा।”
30अर बा लूगाई घरा जा’र आपहाळी छोरी न देखी की, बिमै स ओपरी-बलाय
कढ़गी अर बा खाट म आडि होरी ही।

बोळा अर काबा को निरोगो होणो

31ईशु सुर नाम की नगरी स बिदा होर, सैदाऊँ दस नगरी होतो होयो गलील
दरियाव क कनै पूँचगो। 32जणा लोग एक बोळा न जो काबो बी हो ईशु क कनै
ल्याया। अर ईशुऊँ अरदास कर'र बोल्या, “ईशु थे थारो हाथ इपै धरद्यो।”
33ईशु बी बोळा न भीड़ऊँ नाकै लेगो अर आपकी आँगळ्यां बिकै काना म
घाल्यो अर थुँकर बिकी जीब क हाथ अड़ायो। 34अर ईशु ईश्वर नगरी कानी
देख’र दयाऊँ भर्र सांस खिंची अर बिसै बोल्यो, “इप्फथा” इको मतबल ह,
“खुल ज्या”। 35अंय्यां बोलता ही बिका कान खुलगा अर जीब की आँट्टी भी
खुलगी अर बो चोखा ढंगऊँ बोलबा लाग्यो। 36अर ईशु बानै हुकम दियो की
थे ई बात क बारा म किनैई मना खिज्यो। पण बो बानै जत्तो ना बताण ताँई
बोल्यो हो, बे बिसै बी घणी बी बात न फैलाई। 37लोग ताजुबकर बोल्बा
लाग्या, “ईशु भलो-भलो ही करै, अठै ताँणी की बो बोळा न सुणबा अर गुंगा
न बोलबा की शक्ति देवै ह।”

च्यार हजार मिनखा को पेट भर्यो

8 बा दिना म एक बार ओज्युँ ईशु क कनै घणी सारी भीड़ भेळी होई।
अर बाकै कनै खाबा ताँई क्युंई कोनी हो। ई बजै स ईशु आपका चेला
न बुलायो अर बा न बोल्यो, 2“मनै आपै दया आरी ह क्युं क अ मिनख तीन
दिनाऊँ मेरै सागै ही अर आकै कनै खाबा ताँई क्युंई कोनी। 3अर म आनै भूखा
न ही घरा भेजुँ तो अ गेला म ही आक्ता होर बठै ही गोडा टेक दिंगा। क्युं क
कई तो बोळी दूरऊँ आईड़ा ही।” 4चेला ईशु न बोल्या, “ई उजाड़ म म्हें रोटी
कठैऊँ ल्यावां, जिसै आको पेट भर सकां।” 5ईशु बण स बूझ्यो, “थारै कनै कत्तीक
रोट्याँ ही?” बे बोल्या, “म्हारै कनै सात रोट्याँ ही।”

6ईशु भीड़ न हुकम दियो थे पंगत बणार बैठ ज्यायो। अर ई क पाछै ईशु बा
सात रोट्याँ न हाथ म ले’र परमेश्बर न धनेवाद देर बा रोट्याँ का टुक कर-कर
आपका चेला न देतो गयो अर चेला भीड़ न परोसता गया। 7बाकै कनै थोड़ी
सीक मछी बी ही ईशु बानै बी लियो अर परमेश्बर न धनेवाद देर चेला न

दियो अर चेला मिनखा न देता गया। 8बे सगळाँ खा'र धापगा अर चेला रोट्याँ स भरेड़ा सात चोल्या बठैऊँ उठाया। 9बठै करीब च्यार हजार मिनख हा 10इकै पाछै ईशु बानै बठैऊँ बिदा कर्यो। अर खुद आपका चेला क सागै न्याव म चढ़र दलमनूता दिसावर चलेगो।

फरीसी ईशु स ईश्वर नगरी की निशाणी माँगी

11फरीसी ईशु क कनै जा'र बिसै जिदबा लाग्या तू असल म ही परमेश्बर कानी स भेजेड़ो ह तो म्हानै ईश्वर नगरी की कोई निशाणी[n] दिखा। क्युं क बे ईशु न फसाणो चावै हा। 12ईशु बाकी ई बात न सुण'र आपकी आत्मा म जोर स आह भर'र बा ऊँ बोल्यो, "ई पीढ़ी का लोग चमत्कार क्युं माँगै ह? आनै ईश्वर नगरी को कोई निशाण (चिन्ह) कोनी दियो ज्यासी।" 13इकै पाछै बो बानै छोड़'र ओज्युँ स न्याव प चढ़गो अर दरियाव क परलै नाकै चलेगो।

फरीसीयां अर हेरोदेस को खमीर

14चेला आपकै सागै खमीर हाळी रोटी लेणो भुलगा पण बाकै कनै न्याव म एक ही खमीर हाळी रोटी ही अर इनै छोड़'र बाकै कनै खाबा ताँई क्युंई कोनी हो। 15ईशु बानै चितार बोल्यो, "थे फरीसीयां अर हेरोदेस का खमीर[o] ऊँ बचर्रिज्यो।" 16चेला आपसरी म ताणा-कसी करबा लाग्या की ईशु आ बात ई ताँई बोलै ह क्युं क आपणा कनै खमीर हाळी रोटी कोनी ह। 17ईशु बाकी ई बात न भापगो अर बण स बोल्यो, "थे आपसरी म अंय्यां क्युं सोचो हो की म्हारै कनै खमीर हाळी रोटी कोनी ह? थारै हालबी क्युंई कोनी पल्लै पड़ी? थारी मती क्युं बँधगी। 18थारै आँख्या होता सोता बी थानै कोनी सुझै?अर थारै कान होता सोता बी थानै कोनी सुणै? थानै क्युंई याद कोनी? 19जनाड़ै म पाँच हजार मिनखा न पाँच रोटीऊँ खुवायो हो बी दिन थे रोट्याँ स भरेड़ा कत्ता चोल्या उठाया हा?" अर बे ईशु न बोल्या, "बारा चोल्या।" 20"अर जनाड़ै म च्यार हजार मिनखा न सात रोट्याँ स धपायो हो बी दिन थे रोट्याँ स भरेड़ा कत्ता चोल्या उठाया हा?" बे बोल्या, "सात चोल्या।" 21ईशु बण स बोल्यो, "थारै हालबी पल्लै कोनी पड़ी के?"

---

[n] **8:11** ईश्वर नगरी को कोई बड़ो चमत्कार

[o] **8:15** खमीर बाका दोगलापुणा न दिखावै ह।(रोट्याँ न फुलाबा ताँई आटा म गैरबा की चिज।)

ईशु आन्धा की आँख्या खोली

22बे बैतसैदा पूँचगा अर बठै लोग एक आन्धा न ईशु कनै ल्याया अर ईशु
स अरदास करता बोल्या बिपै हाथ धरदे। 23ईशु बी आन्धा मिनख को हाथ
पकड़्यो अर बिनै गाँव क बार न लेगो। अर बिकी आँख्या म थुक्यो अर
आपका हाथ बिपै धर्यो अर इकै पाछै बिनै बूझ्यो, "तनै क्युं सुझै ह के?"
24बो बोल्यो, "मनै हाल तो धुन्दो-धुन्दो सुझै ह। मनै मिनख चालता दरखता
की जंय्यां सुझी ही।" 25ईशु ओज्युँ स बिकी आँख्या प हाथ धर्यो जणा बो
गोर कर'र देख्यो अर पाछै बिनै सूल सूझबा लाग्यो। अर बो सगळी चिजा
न सुल्या ढंग स देखबा लाग्यो। 26बो बिनै आ खेर घरा भेज्यो, " गाँव म
मना जाऐ।"

पतरस बोल्यो ईशु ही मसी ह

27ईशु अर बीकाळा चेला कैसरिया फिलीप्पी गाँव म जार्या हा गेला म ईशु
बानै बूझ्यो लोग मनै काँई खेवीं ही, "म कुण हूँ।" 28बे ईशु न बोल्या, "कई तो
थानै बतिस्मो देबाळो यूहन्नो अर कई एलियो अर कई परमेश्बर की खेबाळा
म स एक समझी ही।" 29ईशु बण स बोल्यो, "थे मनै काँई समझो हो?" पतरस
बोल्यो, "थे मसी[p] हो।" 30ईशु बण स बोल्यो, "थे ई बात क बारा म किनैई
मना खिज्यो।"

ईशु आपकी मोत क बारा म चेला न बताओ

31ईशु आपका चेला न बताबा लाग्यो की मिनख का बेटा न दुख उठाणो ह।
बो बोळो दुख उठावगो अर बढ़का, प्रधान याजक अर शास्त्रा न सीखाबाळा
बिनै तजसी अर जिकै पाछै बो मार्यो जासी। पण बो तीसरा दिन मरेड़ा म
हू जिज्यावैगो। 32अंय्यां बोलर ईशु आपका चेला न खुद क बारा म सगळी
बातां साँची-साँची बता दिन्यो। जणा पतरस ईशु न एकला म लेगो अर ईशु न
दकाल्यो। 33पण ईशु पाछो मुड़र आपका चेला न देख्यो अर पतरस न दकाल'र
बोल्यो, "शैतान मेरै सामैऊँ चल्यो जा। तू परमेश्बर कानीऊँ कोनी सोचै पण
मिनखा की बातां सोचै ह।"

---

[p] **8:29** परमेश्बर को टाळेड़ो खास, बचाबाळो, जिनै यहूदी मिनख उड़िका हा।

ईशु क पीछै चालबा को मतबल

34ईशु आपका चेला अर भीड़ न आपकै कनै बुलार बानै बोलबा लाग्यो, "ज
कोई मेरै गेल आणो चावै ह बो खुद न तजर, आपकी सूळी[q] उठार मेरै गेल
हो ले। 35जो बी आपको पीराण बचाणो चावै ह बो आपका पीराणा की हानि
उठासी। अर जखौ बी मेर ताँई अर चोखो समचार ताँई आपका पीराण तजसी,
बो बिनै बचासी। 36कोई मिनख आपका पीराणा की हानि उठार सगळाँ
जगत न जीत ले तो बिनै काँई फायदो? 37कोई चीज क बदला म मिनख खुद
का पीराण दे सकै ह के? 38ईशु बण स बोल्यो जखौ बी ई पापी अर साँचा
परमेश्बर न कोनी ध्यार बाळी पीढ़ी म मेर स अर मेरा बचना स मूंडो फेरगो
तो मिनख को बेटो बी जद बो पवित्र ईश्वर नगरी दूता क सागै अर आपका
बाप की महिमा म आसी जणा बो बी बा मिनखा स मूंडो फेर लेसी।"

9 ईशु बण स बोल्यो, "म थानै साँची खेवूँ हूँ, अठै खड़्या मिनखा म स
कई-कई तो अंय्यां का ह की बे जद ताँई परमेश्बर का राज न बिकी
शक्ति क सागै न देखले जद ताँई बानै मोत कोनी आसी।"

ईशु को रूप चमकबा लाग्यो

2छः दिना क पाछै ईशु पतरस, याकूब अर यूहन्ना न सागै लियो, अर एकला
म बो बानै ऊँचा सारा डूँगर प लेगो। बठै बाकै सामै ईशु को रूप बदळयो गयो
3अर ईशु का गाबा चमकबा लाग्या अर अंय्यां का धोळा होया क भळका मारै
लाग्या। 4ईशु क सागै एलीया अर मूसा बी प्रगट होया। अर बे ईशुऊँ बतळावा
हा। 5पतरस बानै बतळातो देख'र ईशु न बोल्बा लाग्यो, "ओ गुरु ओ कत्तो
चोखो ह की आपा अठै हा। म्हानै अठै तीन पंडाल बणाबा दे एक तेरो, एक
मूसा को अर एक एलीया को।" 6बे डरगा हा ई ताँई पतरस आ बात बोली।
7जद ही एक बादळ आयो अर बानै ढक लियो अर बादळा मऊँ हैल्लो आयो,
"ओ मेरो लाडलो बेटो ह। थे इकी सुणो।" 8अर बे तावळा सा च्यारूँमेर देखबा
लाग्या बे आपकै सागै ईशु न देख्या अर बानै बठै ओर कोई बी कोनी दिख्यो।
9जद बे डूँगर स निचै आर्या हा ईशु बा तीन्या न हुकम दियो की थे जो बठै
देख्यो हो बिकै बारा म जद ताँई मना खिज्यो जद ताँई मिनख को बेटो मरेड़ा

---

[q] **8:34** दुख उठाण खातिर मरबा ताँई बी तैयार होणो।

मऊँ पाछो ना जी ज्या। 10अर बे ई बात न आपका हिया क मांय न ही राखी
पण बे सोचबा लाग्या की मरबा क पाछै जीबा को काँई मतबल ह? 11ई ताँई
पाछै बे ईशु न बूझ्या, "शास्त्रा न सीखाबाळा क्यालै बोली ही की एलीया
को पेल्या आणो पक्को ह?" 12ईशु बण स बोल्यो, "सगळी बातां न ठिक (सई)
करबा ताँई पक्कोई एलियो पेल्या आसी। पण मिनख का बेटा क बारा म ओ
क्युं मंडर्यो ह की बिनै बोळो दुख भोगणो पड़सी। अर लोग बिनै ठुकरासी?
13म थानै बताऊँ हूँ, एलियो तो पेल्याई आलियो अर लोग जो चावा हा बो
बिकै सागै कर-करालियो जंय्यां की बिकै बारा म मंडर्यो ह।"

ईशु छोरा म स ओपरी-बलाय काढ़ि

14जद बे बाकी चेला क कनै आया जणा बे देख्या की चेला क च्यारूँमेर घणी
सारी भीड़ भेळी होरी ह अर कई शास्त्रा न सीखाबाळा बाकै सागै जिद्दर्या
ही। 15अर बे ईशु न बठै देख'र ताजुब करता ही भाग'र बिकै कनै गया, अर
बिसै नमस्कार कर्यो। 16ईशु बण स बोल्यो, "थे आसै क्युं जिद्दर्या हो।" 17भीड़
क मांय स एक जणो बोल्यो, "ओ गुरु म मेरो छोरो जिकै मांय न गूंगी बलाय
ह बिनै तेरै कनै ल्यायो हो। 18आ गूंगी बलाय मेरा छोरा क हर कठै ही फेंट
मार दे, अर इको मूंडो झागऊँ भरज्या अर ओ दाँत पीसबा लागज्या अर ओ
दिन-दिन सुख्यो जार्यो ह। म थाकाळा चेला न खियो हो की बे ई बलाय न
इकै मांय स काढ़ दे, पण बे ई बलाय न इमै स कोनी काढ़ सक्या।" 19ईशु बिकी
बातां सुण'र बानै बोल्यो, "ओ अबिश्वासी मिनखो, म कद ताँई थारै सागै
रैस्युं अर कद ताँई थारी सेहस्युं? बिनै मेरै कनै ल्याओ" 20अर बलाय जद ईशु
न देखी तो बा छोरा क मरोड़ी देर बिनै आडो पटक दियो अर बिकै मूंडा स
झाग आबा लाग्या। 21ईशु बी छोरा का बाप हू बूझ्यो, "इकी या हालत कद स
ह?" बो बोल्यो, "टाबर पुणा स ही इकी हालत अंय्यां की ह। 22अर आ गूंगी
बलाय इको नास करबा ताँई कदै तो इनै पाणी म अर कदै आग म पटकै ह
पण म तेरुँ अरदास करुँ हूँ की ज तू इको जापतो कर सकै ह तो जापतो करदे
अर म्हारो भलो कर दे।" 23ईशु बिनै बोल्यो, "तू अंय्यां क्युं खेवै ह कर सकै ह
तो, "बिश्वास करबाळा ताँई तो सक्युं हो सकै ह"। 24बी छोरा को बाप रोयो
अर ईशु स बोल्यो, "ओ प्रबु म बिश्वास राखुँ हूँ, पण मेरै बिश्वास न पाक्को

9:11 मत्ती 11:14 ,मलाकी 4:5

करदे।" 25अर ईशु देखबा लाग्यो की बठै मिनखा की भीड़ लागबा लागी ह बो
बी गूंगी-बैरी बलाय न दकाल'र बोल्यो, "ए गूंगी-बैरी बलाय म तनै हुकम द्यूँ
हूँ इकै मांय स निकळ ज्या अर इकै मांय न कदै ही मना आजे।" 26अर बा गूंगी
बलाय बार घालर बी छोरा क मरोड़ी देर बिकै माईऊँ निकळगी अर बो छोरो
मरबाळो सो होगो कई मिनख तो खेण लाग्या की ओ छोरो तो मरगो। 27पण
ईशु बी छोरा को बावळयो पकड़र बिनै खड़्यो कर्यो अर बो छोरो खड़्यो
होग्यो। 28अर जद ईशु घरा आयो तो बीकाळा चेला एकला म बिनै बूझ्या,
"म्हें बी बलाय न क्युं कोनी काढ़ सक्या?" 29ईशु बण स बोल्यो, "प्रार्थना न
छोड़'र अंय्यां की कुजात न काढ़बा को कोई उपाय कोनी।"

ईशु ओज्युँ आपकी मोत क बारा म बताओ

30इकै पाछै बे बठैऊँ चल्यागा अर बे गलील क माईऊँ होर जार्या हा अर ईशु
कोनी चावै हो की बिनै कोई पीछाणै, 31क्युं क ईशु आपका चेला न सीखार्यो
हो की "मिनख को बेटो मिनखा क हाथा धोखा स पकड़ायो ज्यासी अर बे
बिनै मार दिंगा पण बो तीन दिना क पाछै मोत ऊँ जी उठ खड़्यो होसी।"
32पण आ बात बाकै पल्लै कोनी पड़ी अर बे बिसै ओज्युँ बूझबा ताँई डरा हा।

सगळाँ म स बडो कुण ह?

33बे कफरनहूम म आया अर ईशु आपहाळा चेला न बूझ्यो, "थे गेला क मांय
न काँई बतळावा हा?" 34बे चुपचाल्या होगा क्युं क बे गेला क मांय न आपसरी
म बतळावा हा की आपणा मऊँ कुणसो बडो ह। 35ईशु बैठ्यो होर बा बारा न
आपकै कनै बुलायो अर बण स बोल्यो, "थारै मऊँ ज कोई बडो होणो चावै ह
तो बिनै सगळाँऊँ छोटो अर सगळाँ को चर्वादार बणनो चाए।" 36अर ईशु बाकै
सामै एक टाबरीयां न खड़्यो कर्यो अर बिकै कुँवां प हाथ धर बण स बोल्यो,
37"जो बी मेरा नामऊँ टाबरा को मान करै ह बो मेरो भी मान करै ह अर मनै
भेजबाळा को बी मान करै ह।"

जो आपणै सामै कोनी बो आपणोई ह

38यूहन्नो ईशु न बोल्यो, "ओ गुरु म्हें एक मिनख न तेरै नामऊँ ओपरी-
बलाय काढ़ता देखया अर म्हें बिनै ई बजै स रोक्या की बो मिनख आपणा
मऊँ कोनी हो।" 39पण ईशु बण स बोल्यो, "थे बिनै रोको मना जखौबी मेरै

घरट (9:42)

नामऊँ चमत्कार करै ह बो मेरै बारा म तावळोसो
बुरी बातां कोनी करै। 40अर जखौबी आपणै सामै
कोनी बो आपणोई ह। 41अर जखा बी मिनख थानै
मसी को जाण'र एक गिलासीयो पाणी प्यावै ह[r]
जणा आ कोनी हो सकै क इको फळ न मिलै।

आँखळी मना बणो

42मेर प बिश्वास करबाळा आ नान्या मऊँ कोई
एक न बी पाप म गेरबा ताँई आँखळी बणै ह बि ताँई ओई चोखो ह क बिकै
नाड़ म घरट घालर बिनै समदर क मांय फींक दियो जावै। 43ज तेरो हाथ
तनै ठोकर खुवावै बिनै काट फींक। क्युं क तेरै दो हाथ होतो सोता बी तू नरक
का दरियाव म गेर्यो जाय जिकी आग कदै ई कोनी बूझै इसै तो तेरो टुंडो ई
ईश्वर-नगरी म बड़नो चोखो ह। 44[अर बठै को किड़ो मरै कोनी अर बठै की
आग बूझै कोनी।][s] 45अर तेरो पग तनै ठोकर खुवावै तो बिनै काट दे अर लंगड़ो
ई ईश्वर-नगरी म बड़नो चोखो ह, इसै ओ भलो ह की दो पग होता सोता बी
नरक का दरियाव क माईनै गेर्यो जाय। 46[बठै को किड़ो ना तो मरै अर ना बठै
की आग बूझै]। 47ज तेरी आँख तनै ठोकर खुवावै तो बिनै काढ़ दे काणो होर ही
परमेश्बर का राज म जाणो तेरै ताँई ठिक ह। इसै की तेरै दो आँख होता सोता
तू नरक म गेर्यो जाय। 48बठै मिनखा न खाबाळो किड़ो कोनी मरै अर मिनख न
जळाबाळी आग कोनी बूझै। 49जंय्यां लूण बली न पवित्र करै ह बंय्यां ई सगळाँ
मिनखा न आगऊँ शुद्ध कर्यो ज्यासी। 50लूण चोखो ह पण लूण म स चरचराट
चलीजा जणा बिनै कंय्यां चरचरो कर सकां हा? थे थारै म लूण जंय्यां को
सुवाद राखो अर आपसरी म श्यान्तिऊँ रियो।"

तलाक की सीख

10 इकै पाछै ईशु बठैऊँ बिदा होर यहूदीया आयो अर यरदन नंदी पार
कर्यो। अर भीड़ की भीड़ बिकै कनै भेळी होगी, ईशु बानै आपकी

---

[r] **9:41** जिन्दगी भर की भाईला-चारी निभाण को करार।

[s] **9:44** क्युंक मानी-थानी पुराणी पौथीयां म 44 अर 46 की बाता कोनी मंड्री।
9:46 मरकुस 9:44

बाण गेल सीखाबा लाग्यो। 2जदई फरीसी बिकै कनै आर ईशु न बिचासबा
ताँई बिसै बूझबा लाग्या की आपणा विधान म कोई मोट्यार आपकी लूगाई
न छोड़ सकै ह के? 3ईशु बण स बोल्यो, "मूसा थानै काँई हुकम दियो ह?"
4बे बोल्या, "मूसा तो तलाक नामो मांड'र देण ताँई बोल्यो ह।" 5ईशु बण स
बोल्यो, "मूसा आ बात थारै हिया की कुटळाई न देखता मांड्यो ह। 6पण जद
परमेश्बर ई सरष्टि न बणायो हो जदऊँ ई बो बानै,

'नर अर नारी करके बणायो हो। 7ई ताँई मोट्यार आपका माँ-बापा न
छोड़'र आपकी लूगाई क सागै रेह्वै 8अर बे दोन्युं एक जीव होज्यासी,
अर बे दो कोनी पण एक जीव ह।

9ई बजै स परमेश्बर जिनै जोड़्यो ह; बिनै मिनख न तोड़ै'।"

10जद ईशु घर क मांय न हो जणा चेला बिनै ई बात क बारा म ओज्युँ बूझबा
लाग्या। 11ईशु बण स बोल्यो, "जो मिनख आपकी लूगाई न छोड़'र दूसरो ब्याह
करै ह बो कुकर्म करै ह क्युं क बो आपकी पेलड़ी लूगाई क बिश्वास जोगो
कोनी। 12अर लूगाई आपका मोट्यार न छोड़'र दूसरो ब्याह करै ह तो बा बी
कुकर्म करै ह।"

ईशु टाबरा न आशिर्बाद दियो

13लोग टाबरा न ईशु क कनै ले'र आया बे चावै हा की ईशु बा टाबरा क सिर
प हाथ धरै पण चेला बानै दकाल्या। 14ईशु झाळां म भर'र चेलाऊँ बोल्या, "थे
टाबरा न मेरै कनै आबा द्यो। अर आ टाबरा न मना नटो, क्युं क परमेश्बर
को राज आ जंय्यां को ही ह। 15ईशु बण स बोल्यो म थानै साँची-साँची खेवूँ
हूँ की जखौ मिनख परमेश्बर का राज न टाबरा की जंय्यां कोनी अपणावै बो
परमेश्बर का राज म कोनी बड़ सकै।" 16ईशु बा टाबरा न कनै ले'र बा क सिर
प हाथ धर'र बानै आशिर्बाद दियो।

पीसाळो मिनख ईशु क कनै आयो

17जद ईशु बठैऊँ निकळर गेला म जार्यो हो बठै एक मिनख भागतो होयो ईशु
क कनै आयो अर बो गोडा टेकर हाथ जोड़र ईशुऊँ बूझबा लाग्यो, "ओ चोखा
गुरु म जुगान्तर को जीवन पाण ताँई काँई करुँ?" 18ईशु बिसै बोल्यो, "तू मनै

10:8 उत्पति 1:27, 2:24

चोखो क्युं बोलै ह? परमेश्बर न छोड़'र कोई बी चोखो कोनी, 19तू परमेश्बर
का हुकम न तो जाणै ह जंय्यां मंडेड़ो ह,
"तू कुकर्म मना करजै, चोरी मना करजै, हत्या मना करजै, झुठी गुवाई
मना दिजै, छळ मना करजै, अर माँ-बापा को मान करजै।"
20बो मिनख ईशु न बोल्यो, "ओ महान गुरु अ हुकम तो म टाबरपुणाऊँ ई
मानतो आयो हूँ।" 21ईशु बिकै कानी देख्यो अर ईशु न बिपै दया आई अर बिनै
बोल्यो, "तेरै मांय न एक बात की कमी ह। तू जा अर तेरै कनै जो बी ह बिनै
बेचर गरीबा न देदे। तनै ईश्वर नगरी म धन मिलसी, अर तू मेरै गेल होले।"
22ई बात न सुण'र बिको मूंडो लटकग्यो अर बो दुखी होर बठैऊँ चलेगो, बो
पीसाळो मिनख हो।
23ईशु च्यारूँमेर देख'र आपका चेला न बोल्यो, "जखा मिनखा को मोह धन
म ह बा मिनखा को ईश्वर नगरी म जाणो बोळो ओखो ह।" 24चेला ईशु की
ई बात न सुण'र ताजुब करबा लाग्या ई ताँई ईशु बण स ओज्युँ बोल्यो, "मेरा
टाबरो परमेश्बर का राज म जाणो कत्तो ओखो ह? 25ऊँट को सूई का नाका
मऊँ निकळबा स बी पीसाळा को ईश्वर नगरी म बड़नो ओखो ह।" 26बे बोळो
ताजुब कर'र आपसरी म बतळाबा लाग्या, "ज अंय्यां की बात ह जणा ईश्वर
नगरी म कुण जा सकै ह?" 27ईशु बा कानी देख्यो अर बोल्यो, "ओ मिनख क
बस को कोनी पण परमेश्बर सक्युं कर सकै ह।" 28जणा पतरस ईशु न बोल्यो,
"म्हें सक्युं तजर तेरै गेल आया हा।" 29ईशु बोल्यो, "म थानै साँची-साँची
खेवूँ हूँ ज कोई मेरै ताँई अर चोखा समचार ताँई घर, भाई-भाण, माँ-बापा,
टाबर-टिकरा, अर खेत न छोड़ दियो ह 30बिनै अठैई सौ गुणा घर, भाई-भाणा,
माँयाँ, टाबर-टिकर अर खेत मिलसी अर सागै की सागै जुगान्तर को जीवन
मिलसी। 31पण बोळा ह जखा की आज बूज ह बाकी बूज कोनी होसी अर जखा
की बूज कोनी बाकी बूज हो जासी।"

तीसरका ईशु आपकी मोत क बारां म बताओ

32बे यरुशलेम जार्या हा गेला म ईशु आपका चेला क आगै-आगै चालर्यो हो।
चेला ताजुब म पड़ग्या अर बाकै सागै जो मिनख हा बे डर्‌या हा। ईशु आपका
बारां चेला न एक कानी लेगो अर बानै बताबा लाग्यो की मेरै सागै काँई-

---

10:19 निर्गमन 20:12-16

काँई बितबाळी ह। 33ईशु बानै बोल्यो, “थे सुणो आपा यरुशलेम म जार्या हा
मिनख का बेटा न धोखा स पकड़र महायाजका अर शास्त्रा न सीखाबाळा क
सपुर्द कर दियो ज्यासी। अर बे बिनै जान स मारबा की सजा देर जखा यहूदी
कोनी बाकै हाथा म सपुर्द कर दिंगा। 34बिको तमासो बणायो जासी अर बिपै
थुकींगा अर कोड़ा मार'र बिनै जान स मार दिंगा पण बो तीसरा दिन ओज्युँ
जीन्दो हो ज्यासी।”

याकूब अर यूहन्ना की अरदास

35जब्दी का बेटा याकूब अर यूहन्नो ईशु क कनै आया अर ईशुऊँ बोल्बा
लाग्या, “ओ गुरु म्हें चावां हा की जो बी म्हें थारै स माँगा, बो थे म्हानै द्यो।”
36ईशु बण स बोल्यो, “थे मेर स काँई चाओ हो?” 37बे ईशु न बोल्या, “थारै
महिमाभर्या राज म थे म्हानै थारै दांया-बांया बैठबा को सोबाग द्यो।” 38ईशु
बण स बोल्यो, “थे कोनी जाणो की थे काँई माँगो हो। जो पीड़ा स भर्यो बाटको
म पीबा जार्यो हूँ के थे बिनै पी सको हो? अर जो बतिस्मो म लेबा जार्यो हूँ के
थे बिनै ले सको हो?” 39बे ईशु न बोल्या, “म्हें अंय्यां कर सकां हा!” ईशु बण स
बोल्यो, “थे ओ बाटको बी पीस्यो अर ओ बतिस्मो बी लेस्यो जखौ म लेबाळो
हूँ। 40पण मेरै दांया अर बांया बैठबा को हक म कोनी दे सकूं क्युं क जा ताँई
परमेश्बर आ झघै बणाई ह बानैई बो आ झघै देसी।”

41जद दस चेला ई बात न सुणया जणा बे याकूब अर यूहन्ना प लाल ताता
होगा। 42ईशु बानै आपकै कनै बुलायो अर बण स बोल्बा लाग्यो, “थे जाणो
हो की दूसरी जात्यां का राज करबाळा मिनख जखा यहूदी कोनी बे मिनखा
प हुकम चलावीं हीं अर बाका सरदार जोर जमावीं हीं। 43पण थारै म अंय्यां
कोनी थारै म जखौबी बडो होणो चावै बो सगळाँ को चर्वादार बणै। 44अर
थारै मऊँ जखौबी प्रधान होणो चावै बो सगळाँ को गुलाम बणै। 45मिनख को
बेटो ई ताँई कोनी आयो की बिकी सेवा करी जाय पण ई ताँई आयो ह की बो
दूसरा की सेवा करै अर बोळा सारा न छुड़ाबा ताँई आपका पीराण दे।”

आन्धा बरत्तिमाई न सूजबा लाग्यो

46बे यरीहो गाँव क मांय न आया अर ईशु क सागै बिका चेला अर घणी
सारी भीड़ ही बे यरीहा मऊँ निकळ'र जार्या हा, जणा तिमाई को बेटो
बरत्तिमाई जिखो आंधो बीखारी हो बो सड़क क किनारै बैठ्यो हो 47जद

बो सुण्यो की ईशु नासरी अठैऊँ जार्यो ह बो जोर-जोरऊँ खेबा लाग्यो, “ओ
दाऊद का बेटा ईशु मेर प दया करजै।” 48लोग बिनै दकाल’र बोल्या, “तू
चुपचाल्यो रैह पण बो ओर बी जोर जोरऊँ खेबा लाग्यो ओ दाऊद का बेटा
मेर प दया करजै।” 49ईशु बिकी सुण’र डटगो अर बोल्यो, “बिनै मेरै कनै
ल्याओ।” अर बे लोग बी आन्धा न बुलाया अर बिनै बोल्या, “राजी हो अर
खड़्यो हो तनै ईशु बुलावै ह।” 50बो आपका गाबा बगा’र बेगोसो उठ्यो अर
ईशु क कनै आयो। 51ईशु बिनै बोल्यो, “तू के चावै ह की म तेर ताँई करुँ?”
बो आंधो मिनख बोल्यो, “ओ गुरु म देखणो चाऊँ हूँ।” 52ईशु बोल्यो, “चल्यो
जा तेरो बिश्वास तनै निरोगो कर दिन्यो ह।” जणा बो बठै ही देखबा लाग्यो
अर ईशु क गेल हो लियो।

यरुशलेम म ईशु की जै-जै का’र

11 जद बे यरुशलेम क सांकड़ै जैतून डूँगर की ढ़ाळ प भसेड़ी
बैतफगे अर बैतनिय्याह नगरी क कनै आया जणा ईशु आपका
चेला मऊँ दो जणा न अंय्यां बोल’र अगाऊँ भेज्यो, 2“थे आगला गाँव म
जाओ। थानै बी गाँव म एक गदेड़ी को बच्चो बाँधेड़ो मिलसी जिनै इब ताँई
कोई काम म कोनी लियो ह बिनै खोल’र ल्याओ। 3अर थानै कोई बूझै थे
ओ काँई करो हो? थे बानै बोलज्यो ‘प्रबु न ओ चाए ह’ अर बे थारै सागै
बिनै भेज देसी।”

4बे जा’र बी गदेड़ी का बच्यां न गळियारा म कुवाड़ा क बँधेड़ो देख’र
बिनै खोलबा लाग्या 5बठै खड़्या मिनखा मऊँ कई मिनख बानै बोल्या,
“थे काँई करो हो, इनै क्यालै खोलर्या हो?“ 6जंय्यां ईशु बानै बोल्यो हो
बंय्यांई बे बा मिनखा न बोल्या अर बे बाकी बात सुण’र बानै गधेड़ी
का बच्यां न लेज्याबा दियो। 7बे गदेड़ी का बच्यां न ईशु क कनै लेगा,
अर बिपै आपका गाबा गेर्या अर ईशु बिपै बैठगो। 8जद ईशु बी बच्यां प
बैठ’र जार्यो हो जणा लोग गेला म आपका गाबा बीछाबा लाग्या अर
कई लोग खेताउँ हरी-भरी डाळयाँ काट’र आवभगत करबा ताँई बीछादी।
9अर जताबी मिनख ईशु क आगै-पीछै हा बे जोर जोरऊँ जै-जैकार कर’र
बोलर्या हा,

“प्रबु की महमा हो ओ प्रबु क नामऊँ आर्यो ह इनै परमेश्बर आशिर्वाद
दे।

10म्हारा बडका दाऊद को राज आर्यो ह इनै
परमेश्बर आशिर्वाद दे। ओ महान ह ईश्वर
नगरी म प्रबु की महमा हो!”
11ईशु यरुशलेम पूँच्यो अर बठै मन्दर म गयो
अर बठै बो च्यारूँमेर की सगळी चिजा न देख्यो
अर मोड़ो होग्यो जणा बो आपका चेला क सागै
बैतनिय्याह गयो।

अंजिर को पेड़ (11:13)

अंजीर क पेड़ न दुर्शिश देणो

12आगला दिन जद बे बैतनिय्याह मऊँ चाल
पड़्या जणा ईशु न भूख लागी। 13ईशु दूरऊँ एक अंजीर को पेड़ देख्यो जो
हर्यो-भर्यो हो बो बिकै कनै गयो जिसै बिका फळ खा सकै। पण बी पेड़ म
पता न छोड़’र क्युंई कोनी हो। क्युं क बा अंजीर का फळा की रुत कोनी
ही। 14ईशु बी पेड़ स बोल्यो, “इबऊँ तेरो फळ कोई कदे ही कोनी खासी”
अर ई बात न ईशु का चेला सुणर्या हा।”

ईशु मन्दर म गयो

15जद बे यरुशलेम आया ईशु मन्दर म गयो अर बठै जताबी बेचबाळा
अर खरिदबाळा हा बानै बठैऊँ बारनै काढ़बा लाग्यो। रिपीया को
लेण-देण करबाळा का पाटिया न बगादियो अर कबूतर बेचबाळा
का पाटिया न उन्दो कर दियो। 16अर मन्दर मऊँ किनैई क्युंई कोनी
लेज्याबा दियो। 17इकै पाछै बो बानै सीख देतो होयो बण स बोल्यो,
“शास्त्रा म मंडर्यो ह,

‘मेरो घर सगळी जात्यां का मिनखा ताँई प्रार्थना को घर होसी। पण थे
ई घर न डाकूआ की खोळ बणा दि’।”

18अर जद महायाजक अर धर्मशास्त्रि ईशु की ई बात न सुणी बे ईशु न मारबा
को गेलो ढूँढबा लाग्या। पण भीड़ ईशु क परबचना म रम’र बिकै सागै ही
ई बजै स बे ईशु न मारबा स डरा हा। 19अर दिन आथगो जणा बे यरुशलेम
नगरीऊँ बारनै चलेगा।

11:10 भजन 118:26 **11:17** यशायाह 56:7, यिर्मयाह 7:11

सुखेड़ा अंजीर स सीखाबो

20आगला दिन जद ईशु आपका चेला क सागै जार्यो हो जद बे बी अंजीर
का पेड़ न पता स ले'र जड़ ताँई सूखेड़ो देख्यो 21अर पतरस न ईशु की
कहड़ी बात याद आई बो ईशु न बोल्यो, "ओ गुरु देखो जि पेड़ न थे दुर्शिश
दिया हा बो सुखग्यो ह!" 22ईशु बण स बोल्यो, "परमेश्बर म बिश्वास
राखो 23म थानै साँची-साँची खेवूँ हू ज कोई ई डूँगर स बोलै की 'तू अठैऊँ
हट'र समदर क माइनै डूब ज्या' अर बी मिनख क हिया म ई बात प जमा
ई भेम न होवै पण इकै बदला म पूरो बिश्वास होवै तो जंय्यां बो आपका
मूंडा स बोल्यो बी ताँई बंय्यां ही हो ज्यासी। 24जणा ही म थानै खेवूँ हू
थे प्रार्थना म ओ बिश्वास करके मांग्या करो की थे जो बी माँगर्या हो बो
थानै मिलगो ह जणा बो थानै मिल ज्यासी। 25अर जद थे प्रार्थना करबा
लागो जद ही थे बा मिनखा न माफ करो जो थारो बुरो कर्यो ह जिसै थारो
बाप जो ईश्वर नगरी म ह बो थारा पाप माफ करसी। 26[अर थे बिनै माफ
कोनी करो जणा थारो बाप जो ईश्वर नगरी म ह बो बी थारा पाप माफ
कोनी करसी।"][t]

ईशु क हक प यहूदी नेता को सवाल

27बे ओज्युँ यरुशलेम म आया। ईशु मन्दर म घूमर्यो हो जद बडा याजक,
शास्त्रा न सीखाबाळा अर यहूदी बढ़का ईशु क कनै आया। 28अर बे ईशु न
बोल्बा लाग्या, "तू अ काम किका हक स करै ह अर ओ हक तनै कुण दियो
ह?" 29ईशु बण स बोल्यो, "म बी थानै एक सवाल बूझुँ ज थे मनै ई सवाल को
जुबाब देद्यो जणा म बी थानै बताद्युंगो की म ओ काम किका हक स करुँ हूँ?
30थे बताओ यूहन्ना न बतिस्मो देबा को हक परमेश्बर स मिल्यो या मिनखाऊँ?
31बे ईशु की ई बात न सुण'र आपसरी म बतळाबा लाग्या, बे बोल्या ज
आपा खेवां बिनै परमेश्बर स हक मिल्यो ह जणा ईशु आपा न खेवगो थे बिपै
बिश्वास क्युं कोनी कर्या।" 32अर आपा खेवां, "बिनै मिनखा स हक मिल्यो हो
जणा अ लोग आपणा प झाळां काढ़सी, क्युं क अ लोग यूहन्ना न परमेश्बर की
खेबाळो मानी हि।" 33ई बजै स बे ईशु न बोल्या, "म्हें कोनी जाणा की बिनै

---

[t] **11:26** क्युंक मानी-थानी हाथाऊँ माण्डेड़ी पुराणी पौथियां म अ बाता कोनी।

ओ हक कठै स मिल्यो हो?" ईशु बाकी ई बात न सुण'र बण स बोल्यो, "म बी थानै कोनी बताऊँ की म किका हक स ओ काम करुँ हूँ।"

अंगूरा की बाड़ी का ठेकेदार

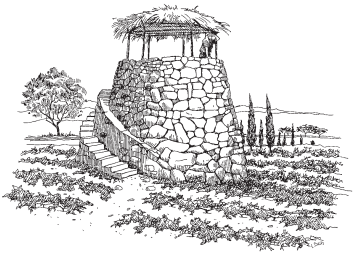

मचाण (12:1)

12 ईशु बण स नीति कथा म खेबा लाग्यो, "एक बार अंय्यां होयो एक मिनख अंगूरा को बगिचो लगायो अर बी बगिचा क च्यारूँमेर बाड़ बाँधी। अर बठैई अंगूरा को रस काढ़बा ताँई कुण्ड अर निगराणी करबा ताँई एक मचाण बणाओ। अर इकै पाछै बो ई बगिचा न ठेका प देर दिसावर चलेगो। 2अंगूर पकणा की रुत म बो मिनख दिसावरऊँ आपका दास न बा किसाना क कनै भेज्यो जि स बे बठै जा'र बा किसाना स अंगूरा को हिसाब ले सकै। 3पण बे किसान बी दास न पकड़'र मार्या अर बिनै रीतो ही भेज दियो। 4इकै पाछै बगिचा को मालीक दूसरा दास न बठै भेज्यो पण बे किसान बिनै बी मार्या अर बिको सिर फोड़'र बिकी बैजती कर्या। 5बो मालीक तीसरा दास न बठै भेज्यो पण बे किसान बी दास न मार गेर्या। अंय्यांई बो बोळा दासा न भेज्यो पण बे किसान कया न तो पीट्या अर कयाकी जान लेली। 6ई क पाछै बी बगिचा का मालीक क कनै भेजबा ताँणी बिको लाड़लो बेटो ही बच्यो। अर बो आ सोच'र की बे इको तो आदर करसी। ई बजै स बो आपका बेटा न बठै भेज्यो। 7बे किसान मालीक का बेटा न आतो देख आपसरी म बतळाबा लाग्या, 'ओ अठै को वारीश ह। आओ आपा मिल'र इनै मार देवां। अंय्यां करबा ऊँ अंगूरा को बगिचो आपणो हो ज्यावैगो।' 8अर बे सगळाँ किसान मिल'र बिनै मार दिन्यो अर बगिचा क बारनै बगा दियो। 9ई बात न सुण'र बगिचा को मालीक बा किसाना क सागै काँई करसी? बो बठै ज्यासी अर बा किसाना न मारैगो अर अंगूरा को बगिचो दूसरा किसाना न दे देवगो। 10थे शास्त्र म ओ बचन कोनी बाच्यो के?

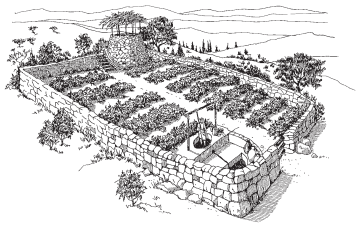

अंगूरा को बगीचो (12:1)

'जि भाठ्ठा न कारिगर ख्यांई जोगो कोनी जाण्यां बो ही भाठ्ठो कुणा न
समाबाळो निकळ्यो। 11अर ओ आँख्या क सामनै अजूबो ह इनै प्रबु
कर्यो ह'।"

12बठै खड़्या शास्त्रि समझगा की ओ आ नीति कथा बापैई कही ह। ई बजै स
बे ईशु न कैद करबाताँणी कोई गेलो ढूँढबा लाग्या। पण बे मिनखा स डरता
हा जिसै बे बिनै बठै हि छोड़'र चल्यागा।

चुंगी देबा की सीख

13बे ईशु न फसाबा ताँई फरीसीयां अर हिरोद की मानबाळा क्युंक मिनखा
न बिकै कनै भेज्या। 14बे ईशु क कनै गया अर बिऊँ बोल्बा लाग्या, "ओ गुरु म्हें
जाणा हा की तू बोळो ईमानदार ह अर तू ई बात की परवा कोनी करै की लोग
तनै काँई खेवै ह। अर तेरा बारा म काँई सोचै ह। अर तू मिनखा को मूंडो देख'र
बातां कोनी करै पण परमेश्बर क कनै जाण ताँई जखौ गेलो ह बिनै तू सच्चाईऊँ
बतावै ह। पण म्हें तनै बूझै हा की कैसर न चुंगी देणी चाए की कोनी?" 15ईशु
बाकी चाल न भापगो अर बण स बोल्यो, "थे मनै क्युं बिच्यास्यो हो? थे मेर
कनै एक सिक्को ल्याओ जिसै म देखुँ।" 16बे ईशु न एक सिक्को दिन्यो। अर ईशु
बण स बूझ्यो, "इपै किकी सकल अर किको नाम ह?" बे बोल्या, "कैसर की।"
17ईशु बाकी ई बात न सुण'र बोल्यो, "जखौ कैसर को ह बो कैसर न द्यो
अर जखौ परमेश्बर को ह बो परमेश्बर न द्यो।" बे ईशु की ई बात न सुण'र
ताजुब म पड़गा।

मर्या पाछै जिबा प सवाल

18इकै पाछै सदुकी ईशु क कनै आया अ मानी ही क मरेड़ी काया ओज्युँ कोनी
जीवै अर बे ईशु न बूझबा लाग्या, 19" ओ गुरु मूसा म्हारै ताँई मांड्यो ह की
जिको भाई मर ज्यावै अर बिकी लूगाई क कोई टाबर न होवै जणा मरबाळा
को भाई बिकी लूगाई स ब्याह करले जिसै बो आपका भाई को वंश बढावै।
20एक बार सात भाई हा। बा म स बडोड़ा को ब्याह होयो अर क्युंक दिना क
पाछै बो मरग्यो बिकी लूगाई क कोई टाबर- टिकर कोनी हो। 21बिको दूसरो
भाई बिसै ब्याह कर लियो अर बो बी क्युंक दिना क पाछै मरगो अर बिसै बी

12:11 भजन 118:22

बिकै कोई टाबर कोनी होयो। तीसरो भाई बी अंय्यांई कर्यो अर बिकै सागै बी बो ही होयो। 22अर अंय्यांई सात्युं का सात्युं बे औलाद ही मरगा अर बिकै पाछै बा लूगाई बि मरगी। 23बे ईशु न बूझबा लाग्या की सगळी मरेड़ी काया ओज्युँ जीसी बी दिन बा सात म स किकी लूगाई होसी। क्युं क बे सात्युं हि बिनै ब्याली ही।" 24ईशु बण स बोल्यो, "थे आ बातां न गळत लेली क्युं क थे शास्त्रा न अर परमेश्बर की शक्ति न कोनी जाणो। 25जद मरेड़ी काया ओज्युँ जीसी जणा बाको ब्याह कोनी होसी पण बे ईश्वर नगरी म ईश्वर नगरी दूता की जंय्यां होसी। 26अर जठै ताँई मरेड़ी काया क जीबा को सवाल ह, थे मूसा की पौथी म ओ कोनी बाच्यो के? जद परमेश्बर बळती झाड़ी म स बिसै खयो

'म ईब्राहिम को परमेश्बर हूँ, इसाक को परमेश्बर हूँ अर याकूब को परमेश्बर हूँ।'

27इको मतबल ओ ह की बे मर्गा पण बे मरेड़ा कोनी जिन्दा ही जणा ई बो मर्या खप्या को कोनी पण जिता-जागता को परमेश्बर ह। थे तो भेम म पड़या हो।"

सगळाँ मऊँ बडो हुकम

28बठै एक यहूदी शास्त्रा न सीखाबाळो आयो अर बो बानै बठै जिरै करता अर ईशु बा सदुकीया न सागैड़ो जबाब देर्यो हो आ देख'र बो ईशु न बूझ्यो, "सगळाँ हुकमा मऊँ कुणसो बडो ह?" 29ईशु बिसै बोल्यो, "सगळाँ मऊँ बडोड़ो ओ ह।

'सुणो ईस्त्राएलियो आपणा परमेश्बर न छोड़'र कोई प्रबु कोनी ह। 30अर थे आपका सगळाँ हियाऊँ सगळी आत्मा स सगळी बुद्धिऊँ अर आपकी सगळी शक्तिऊँ परमेश्बर न प्रेम करो।' 31अर दूसरो हुकम ओ ह 'तू तेरा पड़ोसीऊँ बंय्यां ही प्रेम कर जंय्यां तू खुदऊँ प्रेम करै ह।'

आ हुकमा स बडो कोई बी हुकम कोनी।" 32यहूदी शास्त्रा न सीखाबाळा ईशु की ई बात न सुण'र बोल्या, "ओ गुरु थारो ओ खेणो ठिक ई ह की परमेश्बर एक ई ह अर बिनै छोड़ दूसरो कोई कोनी। 33आपका सगळाँ हियाऊँ [][u] सगळी बुद्धिऊँ अर आपकी सगळी शक्तिऊँ परमेश्बर न प्रेम करो अर आपका पड़ोसीऊँ खुद की जंय्यां प्रेम करो। अर अ दोन्युं सगळाँ होम बली अर चढावाऊँ बढके ह।" 34जि चतराईऊँ

---

[u] **12:33** क्युंक पौथियां म सगळाँ हिया क पाछै सगळी आत्माऊँ बी मड़र्यो ह।

12:26 निर्गमन 3:6,15 **12:31** व्यबस्थाविवरण 6:4

बो जबाब दिन्यो हो बिकी सुण'र ईशु बिसै खयो, "तू परमेश्बर का राज हू घणी दूर कोनी।" ई क पाछै किकी ई ईशुऊँ सवाल बूझबा की हिम्मत कोनी बगी।

मसी किको बेटो ह?

35इकै पाछै ईशु मन्दर म परबचन देतोई बोल्यो, "शास्त्रा न सीखाबाळा क्यालै बोली ई की मसी दाऊद क कुणबा को बेटो ह? 36पण दाऊद खुद पवित्र आत्मा स भर'र बोल्यो हो,

'प्रबु (परमेश्बर) मेरा प्रबु (मसी) ऊँ खियो जद ताँई म तेरा दुश्मना न
तेरै पगा तळै न कर द्युँ मेरै दांया हाथ बैठ्यो रैह।'

37दाऊद खुद ई मसी न प्रबु बोलै ह जणा मसी दाऊद को बेटो कंय्यां हो सकै ह?" घणी सारी भीड़ ईशु की बातां न राजी हियाऊँ सूणै ही।

शास्त्रा न सीखाबाळा ऊँ बच'र रिज्यो

38ईशु बानै सीखातो ई बोल्यो, "थे शास्त्रा न सीखाबाळाऊँ समळ'र रिज्यो बे लाम्बो-लाम्बो चोंगो पेरीं ही अर बानै घूमणो चोखो लागै ह अर बे चावी ही की लोग बजारा म बाको आदर-मान करीं। 39अर बे यहूदीयां का प्रार्थना घर अर जीमणवार म उँची गद्दी प बिराजणा की मन्स्या राखै ह। 40बे खाली होयड़ी लूगायां को घर खाज्याई ही। अर दिखाबा ताँई बडी बडी प्रार्थना करीं ही। आ मिनखा न बुरी ऊँ बुरी सजा मिलसी।"

साँच्चो दान

41ईशु यरुशलेम मन्दर की दान पेट्टी क सामै बैठ'र देखर्यो हो की लोग दान हाळी पेट्टी म कंय्यां दान घाली ही।पीसाळा तो बड-चढ़'र दान घालर्या हा। 42बाकै पाछै बठै एक खाली होयड़ी गरीबणी आई अर बा बी पेट्टी क मांय दो डब्बली हाळा सिक्का घाली अ सिक्का क्युंक पीसा जत्ता होता हा। 43ईशु आपका चेला न आपकै कनै बुलायो अर बण स बोल्यो, "म थानै साँच्ची-साँच्ची खेवूँ हू ई खाली होयड़ी को दान सऊँ बेसी ह। 44क्युं क सगळाँ तो आपकी बढती मऊँ घाल्या पण आ खाली होयड़ी आपकी सगळी कुमाई इमै घाल दि। इकै कनै अत्तो ही हो जिसै इको चूल्लो बळतो।"

12:36 भजन 110:1

मन्दर ढब्बा की भविष्यवाणी

13 जद ईशु यरुशलेम का मन्दर क मांय स बारनै जार्यो हो जणा बी
टेम बीकाळा चेला म स एक चेलो ईशु न बोल्यो, "ओ गुरु देख
अ भाठ्ठा अर आ हेल्ली कत्ती सोवणी ह।" 2ईशु बिकी ई बात न सुण'र बिनै
बोल्यो, "के तू ई बडी सारी हेल्ली न देखै ह? अठै एक बी भाठ्ठो कोनी रेह्सी
सगळाँ भाठ्ठा ढा दिया जासी।"

विपदा अर सताव

3जद ईशु जैतून का डूँगर प मन्दर क सामै बैठ्यो हो जणा बिसै पतरस,
याकूब, अर अन्द्रियास एकला म बूझ्या 4बे ईशु न बूझ्या, "अ बातां कद
घटसी? अर आ बातां क होण का चिन काँई होसी?" बाकी बातां सुण'र
5ईशु बानै बोल्यो, "थे समळ'र रिज्यो थारै सागै कोई छळ न करज्या। 6मेरा
नामऊँ बोळा सारा आसी अर खेसी 'म मसी हूँ' अंय्यां बोल'र बे बोळा
सारा मिनखा न भरमासी। 7अर जद थे लड़ाई अर लड़ायां की खबर्यां सुणो
जणा मना डर ज्यायो, क्युं क आ बातां को होणो तै ह पण बा घड़ी नास
की कोनी होसी। 8अर जात्यां जात्यां प अर देश देश प चढ़ाई करसी। अर
कठै-कठै तो भूचाळ आसी अर काळ पड़सी अर अ सगळी बातां हाल तो
जच्चा क सरुका उठबाळा दर्द जंय्यां की ह। 9पण थे समळ'र रिज्यो, थानै
पकड़'र कचेरी क सपुर्द कर्यो ज्यासी अर थानै यहूदीयां की धर्म सभा म
पीट्यो जासी अर थानै मेरा नाम अर चोखा समचार की बजै स पंचा,
राजा अर हाकिमा क सामै खड़्यो कर दियो जासी जिसै थे बानै चोखो
समचार बता सको। 10पण आ पक्की ह की आसै पेल्या सगळी जात्यां न
चोखो समचार सुणायो जासी। 11अर जद थानै पकड़'र लोग कचेरी क
हवालै करीं जणा थे ई बात की जमाई चिनत्या मना करज्यो की थानै
काँई खेणो ह? बी घड़ी पवित्र आत्मा जखा सब्द दे बे ही बोलज्यो क्युं
क बोलबाळा थे कोनी पण पवित्र आत्मा होसी। 12भाई-भाई न पकड़ा'र
मरवासी अर अंय्यां ही बाप आपका टाबरा क सागै करसी अर टाबर
आपका माँ- बाप क खिलाफ हो'र बानै मरवासी। 13अर मेरा नाम क
बजै स सगळाँ मिनख थारै स बैर राखसी, पण जिखा आखिर ताँई सब'र
करसी बे ई बचाया जासी।

बिनास की घड़ी

14जद थे उजाड़बाळी सुगली चिजा न जठै न होणी चायै ई बठै देखो
(बाचबाळो खुद ही जाण ले इको मतबल काँई ह?) जणा जखौ यहूदीयां म
होवै, बानै डूँगरा म भाग जाणो चाए। 15अर जखौ मिनख आपकी छात प होवै
बे आपका घरा म क्युंई चिज ल्याण ताँई न उतरै। 16अर जखा खेत म होवै बो
आपका गाबा लेण ताँई न मुड़ै। 17दुध प्याती माँयाँ अर पेट हाळी लूगायां ताँई
बे दिन बोळी कल्डाई का होसी। 18थे प्रार्थना कर्या करो की अ बातां श्याळा म
न हो। 19बा दिना म अंय्यां को कळेस आसी जखौ जुगाद म जद परमेश्बर ई
दुनिया न रची जदऊँ ले'र न तो हाल ताँई आयो अर न इकै पाछै कणा आसी।
20ज परमेश्बर बा दिना न कम ना करतो तो कोई बी कोनी बचतो। पण बिका
टाळेड़ा मिनखा की बजै स परमेश्बर बा दिना न कम करदियो ह। 21बा दिना
म थानै कोई खेवै, 'देखो अठै ह मसी या बठै ह मसी' जद थे बिको बिश्वास
मना करज्यो। 22थानै बा दिना म झुठा मसी अर झुठी परमेश्बर की खेबाळा
दिखणा म आसी। अर बे चिन-चमत्कार दिखा'र टाळेड़ा मिनखा न बी भेकाण
की कोसीश करसी। 23पण थे समळ'र रियो म थानै अ सगळी बातां पेल्या स
ही बता दिनी ह।

मिनख का बेटा को ओज्युँ आणो

24बा दिना म, बी कळेस क पाछै सूरज उज्जाळा न खो देसी अर चाँद बी
कोनी चमकसी। 25अर अकास मऊँ तारा बी तळै पड़ मरसी। अर अकास की
शक्तियाँ हिलाई जासी जिसै बे आपकी झघा छोड़ देसी। 26जणा लोग मिनख
का बेटा न महाशक्ति अर महिमा क सागै बादळा प आतो देखसी।
27अर बो आपका दूता न भेजसी की बे धरती अर अकास प जा'र
च्यारूँमेर स बिका टाळेड़ा मिनखा न भेळा करीं।
28"थे अंजीर का दरख्तऊँ सिखो जद बिकी डाळयाँ नरम होवै अर बिकै
कुपळ फूटबा लागै जणा थे बिनै देख'र जाण ज्यायो हो की उंद्याळो आबाळो
ह। 29अंय्यां हि जद थे आ बातां न होता देखो जणा जाणज्यायो की बा घड़ी
सांकड़ै ही ह। अर थळी प हि ह। 30याद राखीयो, म थानै साँच्ची खेवूँ हूँ जद
ताँई अ बातां कोनी होसी ई जमाना का मिनख कोनी मरसी। 31अकास अर
धरती टळ जासी पण मेरी बातां कोनी टळी।

जागता रियो

32बी दिन अर बी घड़ी क बारा म कोई बी कोनी जाणै, न तो ईश्वर नगरी
दूत अर ना बेटो पण पीता परमेश्बर हि बिकै बारा म जाणै ह। 33ई बजै स थे
समळ'र जागता रिज्यो थानै कोनी बेरो की बो दिन कद आसी अर न थे बी दिन
क बारा म जाणो। 34ओ अंय्यां होसी जंय्यां कोई मिनख दिसावर जाण स पेल्या
आपका घर न आपका दास क हवालै करके बानै न्यारो-न्यारो काम बाँट'र
चल्यो जावै अर चौकिदार न पेरो लगाबा को हुकम देर अंय्यां बोल'र की जद
ताँई म कोनी आऊँ तू घर की समाळ करजै। 35थे बी जागता रिज्यो थानै कोनी
बेरो की घर को मालीक कद आवगो।आथण्या आवगो क मझ रात म आवगो
क भागपाट्या आवगो या दिन चढ़्या आवगो। 36अर अंय्यां ना होज्या कणा बो
चाणचुक्यो आर थानै सोतो देखै। 37अर जखी बातां म थानै खेवूँ हूँ बे ही बात म
सगळाँ न खेवूँ हूँ की थे सगळाँ जागता रिज्यो।"

ईशु न मारबा की जाळ-साजी

14 दो दिना क पाछै फसह को त्युंहार[v] अर बिना खमीर की रोटी को
त्युंहार[w] आबाळो हो। बडा-बडा याजक अर शास्त्रि ईशु न धोखा स
पकड़'र मारबा की साजिश रचर्या हा। 2पण बे आपस म खेबा लाग्या, "आपा
ईशु न त्युंहार क दिना म कोनी मारा। आपा त्युंहार क दिना म इनै मारा तो
के बेरो जनता भड़क ज्यावै।"

ईशु प अत्तर-फुलेन गेर्यो

3जद ईशु बैतनिय्याह म शमोन जखौ पेल्या
कोढ़ी हो बिकै घरा रोटी खाबा बैठ्यो, बठै
एक लूगाई संगमरमर का बर्तन म जटामांसी
(बाळ झड़)को मेंगो अर खरो अत्तर-फुलेन
ले'र आई। अर बा लूगाई बी बर्तन न खोल'र

संगमरमर को बर्तन (14:3)

---

[v] **14:1** फसह(पार कर्र जाणो) को त्युहार जद परमेश्बर ईब्रानिया का घरा न छोड़र मिस्र का पेलीपोत का होयड़ा न मार्यो हो बी याद म मनायो जावै ह।

[w] **14:1** ई दिन यहूदी बिना खमीर की रोटी क सागै एक खास तरयां को भोज करता हा।

बिकै माइनै जत्तो बी अत्तर-फुलेन हो बिनै ईशु क सीर प उन्दका दि। 4बठै
खड़्या मिनखा म क्युंक चिड़गा अर खया, "आ लूगाई ई अत्तर-फुलेन न क्यालै
खराब करी ह? 5ई अत्तर-फुलेन न तीन सो चाँदि का सिक्का[x] ऊँ बी ज्यादा म
बेच्यो जा सकै हो अर इसै जखा रुपया मिलता बिनै गरीबा म बाँट्यो जाणो
चायै हो।" अर बे बिनै दकालबा लाग्या। 6ईशु बाकी ई बात न सुण'र बानै
बोल्यो, "थे ई लूगाई न क्युं तंग करो हो? थे इनै छोड़ द्यो। आ तो मेर सागै
भलो करी ह। 7गरीब तो थारै सागै सदा हि रेह्सी। थे जद चावो बाको भलो
कर सको हो, पण म थारै सागै सदा कोनी रेस्युं। 8अर जो क्युं बिकै बस म
हो बा करी। आ मनै गाडण हू पेल्या मेरी काया प अत्तर-फुलेन उन्दकाई ह।
9म थानै साँच्ची खेवूँ हूँ सगळी दुनिया म जठै बी चोखो समचार परचार कर्यो
ज्यासी, बठै ई लूगाई न अर इका काम न याद कर्यो ज्यासी।"

यहूदो ईशु न धोखो देबा ताँई राजी होयो

10यहूदा इस्करियोती बारा चेला मऊँ एक हो ओ बडा याजक क कनै ईशु न
पकड़ाबा की बातचीत करबा ताँई गयो। 11यहूदा की ई बात न सुण'र याजक
खुश होयो अर बे यहूदा न रुपया देण ताँई बोल्या। यहूदो ह जखौ ईशु न
पकड़ाबा की ताक म मौको ढूँढबा लाग्यो।

चेला क सागै आखरी फसह

12बिना खमीर की रोटी हाळै त्युंहार क पेल्ड़ै दिन जद फसह का त्युंहार प
लल्ड़ी का बच्यां की बली दि जाती ही बी दिन चेला ईशु न बूझ्या, "तू कठै
चावै ह की म्हें तेर ताँई फसह खाबा की तैयारी करा?" 13बामैऊँ दो जणा न
ईशु अंय्यां बोल'र भेज्यो, "थे गाँव क मांय न जाओ अर थानै बठै एक मिनख
पाणीऊँ भरेड़ो घड़ो लीया मिलसी थे बिकै गेल हो लियो 14अर बो जि घर म
जावै, थे बी बि घर म जा'र घर का मालीक न बोलज्यो गुरु बोल्यो ह, 'मेरो
फसह खाबा को कोठो कठै ह जठै म आपका चेला क सागै फसह खा सकूं।' 15बो
थानै बडो सारो अर सक्युं जच्यो-जचाईड़ो चोबारो दिखासी बिमैई आपणा
ताँई सक्युं तैयार करज्यो।" 16अर बे चेला बी गाँव क माईनै गया अर जंय्यां ईशु
बानै बताओ हो बंय्यां ही बे बठै देख्यो अर बे बठै फसह खाबा की तैयारी करी।

---

[x] **14:5** एक साल की मजदुरी क बराबर

17अर दिन आथता ही ईशु बारा चेला क सागै बठै गयो 18अर जद बे सागै बैठ'र
रोटी खार्या हा ईशु आपका चेला न बोल्यो, "म थानै साँच्ची खेवूँ हूँ थारै मऊँ एक
जणो जो अठै मेरै सागै जीमर्यो ह बो मनै पकड़वासी।" 19बे ईशु की ई बात न
सुण'र दुखी होया अर बे ईशु न एक- एक करके बूझबा लाग्या, "माराज बो म हू
के?" 20ईशु बण स बोल्यो, "बो थारै बारा मऊँ एक ह। बो मेरै सागै कचोळा मऊँ
टिमोवै ह। 21मिनख का बेटा न तो मरनो ई ह जंय्यां की मंडेड़ो ह। पण कत्ती बुरी
दसा ह बी मिनख की जिकै बजै स मिनख को बेटो पकड़ायो जासी। इसै चोखो
तो ओ होतो की बो मिनख कोनी जलमतो।"

प्रबु- भोज

22बे जिमर्याई हा क ईशु रोटी ले'र प्रबु न धनेवाद दे'र बो रोटी न तोड़्यो अर
ईशु आपका चेला न आ खेवतो रोटी बाटी, "ल्यो आ मेरी काया ह" 23इकै पाछै
ईशु कचोळो लियो अर प्रबु न धनेवाद दे'र बो
कचोळो आपका चेला न दियो बे सगळाँ बिमै
स पीया 24अर ईशु बण स बोल्यो, "ओ मेरो
लोय ह ओ परमेश्बर का नया करा'र को चिन्ह
ह जखौ बोळा ताँई बहायो ज्यार्यो ह। 25म
थानै साँच्ची खेवूँ म आ अंगूरी जद ताँई कोनी
पीस्युं जद ताँई परमेश्बर का राज म नई न
पीऊँ।" 26इकै पाछै बे एक गीत गा'र जैतून
का डूँगर प चल्यागा।

कुंड (14:25)

पतरस ईशु न पीछाण्बा ऊँ मना करसी

27ईशु आपका चेला ऊँ बोल्यो, "थे सगळाँ कानी-कानी हो ज्यास्यो। क्युं क
मंडेड़ो ह,

'म गुवाळयाँ न मारूँगो अर भेड़ तीन-तेरा हो ज्यासी।'

28पण परमेश्बर क हाथा ओज्युँ जी उठबा क पाछै म थारै स पेल्या गलील
जास्युँ।" 29जणा पतरस बोल्यो, "चायै सगळाँ तनै छोड़'र भाग ज्याय पण म
थारै सागै डट्यो रेस्युं।" 30ईशु पतरस की ई बात न सुण'र बिसै बोल्यो, "म

14:27 जकर्याह 13:7

तनै साँची खेवूँ हू आज की रात ही मूर्गा क दो बार बाँग देण हू पेल्या तू तीन बार मनै पीछाण्बा हू मना करसी।" 31पतरस ईशु की बात सुण'र ओर जोर स बोल्यो, "ज मनै तेरै सागै मरबो बी पड़यो जणा बी म अंय्यां कोनी करुँ।" अर सगळाँ चेला बी आई बात बोल्या।

गतसमनी का बाग म ईशु की प्रार्थना

32इकै पाछै बे गतसमनी नाम की झघा गया अर बठै ईशु आपका चेला न बोल्यो, "थे अठै ही बैठ्या रियो जद ताँई म प्रार्थना करुँ।" 33ईशु आपकै सागै पतरस, याकूब अर यूहन्ना न लेगो। ईशु बोळो दुख-दुबळो होर्यो हो। 34ईशु बण स बोल्यो, "मेरो हियो बोळो उदास ह, अठै ताँई म मरबाळो सो होर्यो हू। थे अठै ही बैठ ज्यायो अर जागता रियो।" 35इकै पाछै ईशु बठैऊँ चीनेक दूर जा'र धरती प मोदो पसर'र प्रार्थना करबा लाग्यो अर बोल्यो, "ज हो सकै तो आ घड़ी मेर पै स टळ ज्याय जणा चोखो हो ज्याय।" 36अर बो बोल्बा लाग्यो, "बापु ओ बापु थारै ताँई क्युं ही ओखो कोनी। ई दुख का कचोळा न मेरऊँ नाकै कर दे, पण जंय्यां म चाऊँ बंय्यां न हो पण जंय्यां तू चावै बंय्यांई होवै।" 37ईशु प्रार्थना कर'र आपका चेला कन गयो अर बानै सुत्यो देख'र पतरस न बोल्यो, "ओ शमोन तू सोर्यो ह के? के तू घंटा भर बी कोनी जाग सक्यो? 38थे जागता रियो अर प्रार्थना करो जिसै थे बीचास्यां न जाओ। आत्मा तो जो सई ह बो करनो चावै ह पण आ काया माड़ी ह।" 39ईशु ओज्युँ स प्रार्थना करबा न चलेगो अर जंय्यां पेल्या प्रार्थना करी बंय्यां ही बो प्रार्थना करबा लाग्यो। 40अर ईशु ओज्युँ स आपका चेला क कनै आयो अर बिनै बे ओज्युँ सुत्या लाध्या अर बाकी आँख्या म निंद चढ़री ही अर बानै बेरो कोनी हो की बे ईशु न काँई जबाब दि। 41ईशु तीसरी बार आ'र बानै बोल्यो, "बस बोळा सोलीया हालबी थे अराम स सुत्या हो। देखो बा घड़ी आगी जद मिनख को बेटो पाप्यां क हाथ पकड़ायो जार्यो ह। 42थे उठो अर देखो मनै पकड़ाबाळो उरैई ह।"

ईशु न धोखा ऊँ पकड़ायो

43ईशु अंय्यां बोलर्योई हो क यहूदो जो बारा चेला मऊँ एक हो बो आपकै सागै प्रधान याजक अर शास्त्रा न सीखाबाळा अर बढ़का का हुकम ऊँ घणी सारी भीड़ ले'र बठै आयो बाकै कनै तलवार अर लाठ्यां बी ही। 44धोखा ऊँ पकड़ाबाळो पेल्या ही बी भीड़ न बता दिन्यो हो की जिको म माखो ल्यूँ बो ई

ईशु ह थे बिनै पकड़'र ध्यानऊँ सिपाया की निगराणी म लेज्यायो। 45अर जंय्यां ही यहूदो बठै आयो अर बो ईशु क कनै जा'र बोल्यो, "गुरु" अर बो ईशु को माखो लियो। 46इकै पाछै बा भीड़ बिनै पकड़'र आपका कब्जा म लेली। 47ईशु क कनै खड़्यो एक चेलो आपकी तलवार काढ़ि अर महायाजक का एक दास को कानड़ो काट गेर्यो। 48ईशु बण स बोल्यो, "म कोई डाकू हू के थे मनै पकड़बा ताँई तलवार अर लाठी ल्याया हो? 49म रोजिना मन्दर म थानै सीखातो, थारै सागै ही रिया करतो हो जद थे मनै कोनी पकड़या, पण ओ पवित्र-शास्त्र म मंडेड़ो ह जिनै पूरो होणो ही ह।" 50ईशु का चेला बिनै छोड़'र भागगा।

51एक मोट्याल्डो आपकी उघाड़ी काया प चादरो ओढ ईशु क गेल गेल होर्यो हो लोग बिनै पकड़बा ताँई बिकै गेल; भाग्या 52जणा बो चादरो बगा'र उघाड़ो ही भाग छुट्यो।

महा पंचायत म ईशु

53ईशु न महायाजक क कनै लेगा, अर बठै प्रधान याजक अर बढ़का अर सगळाँ शास्त्रि आर भेळा होया। 54पतरस क्युंक दूरी बणा'र बाकै गेल-गेल आयो अर महायाजक क आँगणा क मांय न आर बठै चौकिदार क सागै तपबा लाग्यो। 55प्रधान महायाजक अर सगळाँ महापंचायत का लोग ईशु न जान स मारबा ताँई बिकै खिलाफ गुवाई टोबा लाग्या। पण बानै कोई गुवाई कोनी मिली। 56घणा सारा लोग ईशु क खिलाफ गुवाई बी देर्या हा पण बाकी गुवाई झुठी ही अर एक जिस्सी बी कोनी ही। 57क्युंक खड़्या हो'र ईशु क खिलाफ झुठी गुवाई देबा लाग्या। 58बे खेबा लाग्या, "म्हें इका मूंडा स सुण्या हा ओ खेवै ह, 'म हाथ हू बणेड़ा मन्दर न ढा देस्युँ अर तीन दिना क पाछै दूसरो बणा देस्युँ बो मन्दर हाथा हू बणायड़ो कोनी होसी'।" 59अर ई बा'र बी बाकी गुवाई एकसी कोनी निकळी। 60बाकी बातां सुण'र महायाजक खड़्यो हो'र ईशु न बूझबा लाग्यो, "तू जबाब क्युं कोनी देवै अ सगळाँ तेरै खिलाफ गुवाई देर्या ही।" 61पण ईशु चुपचाल्यो बाकी सुणतो रियो अर बो बानै जबाब कोनी दियो। महायाजक ईशुऊँ ओज्युँ बूझ्यो, "तू पवित्र परमेश्बर को बेटो मसी ह के?" 62ईशु बोल्यो, "हा म बोई हूँ अर थे मिनख का बेटा न सर्वशक्तिमान परमेश्बर क दांया हाथ बैठ्यो अर अकास म बादळा क सागै आतो देखस्यो।" 63महायाजक आपका गाबा फाड़यो अर बोल्यो, "इब गुवाई देबा की जुरत कोनी। 64थे खुद ही इका मूंडा स परमेश्बर की बुराई सुण लीया हो इब थे काँई

चावो हो?" अर बे सगळाँ बोल्या, "इनै मा'र देणो चाए।" [65]अर कई लोग ईशु
प थुकबा लाग्या अर कई ईशु की आँख्या प गाबो बाँध'र मुक्का मारबा लाग्या
अर बिको तमासो बणा'र बोल्या, "तू भविष्यवाणी करतो फिरतो हो न इब
बता तनै कुण मार्यो" अर चौकिदार ईशु न पकड़'र चनपट मार्या।

पतरस ईशु न जाण-बुझ'र कोनी पीछाण्यो

[66]पतरस निचै आँगणा म बैठ्यो जणा बठै महायाजक की एक दासी आई।
[67]अर बा पतरस न तपता देख'र पतरस न बोली, "तू बी तो ईशु नासरी क
सागै हो।" [68]पण पतरस नटगो अर बोल्यो, "म ईशु नासरी न कोनी जाणूँ अर
तू जो बोलरी ह बा मेरै तो क्युंई पल्लै कोनी पड़री।" अर बो अंय्यां बोलतो
आँगणा की थळी प पूँच्योई हो [अत्ता म ही मूर्गो-बाँग दिनी][y]। [69]बा दासी
ओज्युँ पतरस न देखी अर बठै खड़्या मिनखाऊँ बोली, "ओ बी बामैऊँ ई ह।"
[70]पतरस ओज्युँ नटगो थोड़ी देर क बाद बठै खड़्या मिनखा मऊँ कई बोल्या,
"सई म ई तू बामैऊँ एक ह, क्युं क तू बी तो गलील को ह।" [71]पतरस बाकी
बातां सुण'र सोगन खा'र बोल्यो, "म बी मिनख न जिकी थे बातां करो हो
कोनी जाणूँ ज म झुठ बोलूँ तो परमेश्बर मनै सजा दे।" [72]अर जद ही दूसरी
बार मूर्गो बाँग दिनी। जणा पतरस माथो पकड़्यो अर बिनै ईशु की खेईड़ी
बा बात याद आई की मूर्गा क दो बार बाँग देण हू पेल्या तू तीन बार मेरै ताँई
खेसी म इनै कोनी जाणूँ, अर बो ई बात न सोच'र बळ-बळ रोबा लाग्यो।

पीळातूस क सामै ईशु की पेशी।

15 दिन उगता ही प्रधान याजक अर बुढ़ा ठेरा, शास्त्रि अर सगळाँ
महासभा का पंच ईशु न बँधा'र पीळातूस कन लेज्या'र हाजीर
कर्यो। [2]पीळातूस ईशुऊँ बूझ्यो, "तू यहूदीयां को राजा ह के?" ईशु बिनै खयो,
"तू खुद ही तो बोलै ह।" [3]प्रधान याजक ईशु प बोळी बातां को दोष लगार्या
हा। [4]पीळातूस ईशु न ओज्युँ बोल्यो, "तू बोल-बाल्यो कंय्यां खड़्यो ह अ सगळाँ
तो तेर प दोष लगाबा लागर्या ही।" [5]पण ईशु बिनै जबाब कोनी दियो ईशु न
बोल-बाल्यो देख'र पीळातूस न ताजुब होयो।

---

[y] 14:68
"अत्ता म ही मूर्गो-बाँग दिनी" क्युंक मानी-थानी पुराणी पौथियां म अ बाता कोनी मंडरी।

ईशु न मोत की सजा देणो

6फसह हाळा त्युंहा'र प पीळातूस रित गेल एक कैदी न जिनै लोग चाता
बिनै बा ताँई छोड़ देतो हो। 7बी टेम बरअब्बा नाम को एक मिनख बगाव्तिया
क सागै कैद म हो क्युं क बो एक बगावत म एक मिनख न मार गेर्यो हो।
8जद लोग पीळातूस क कनै जा'र बिसै कह्या जंय्यां तू म्हारै ताँई करतो आयो
ह बंय्यां ही कर। 9जणा पीळातूस बण स खयो, "के थे चाओ हो के म थारै
ताँई यहूदीयां का राजा न छोड़ द्युँ?" 10पीळातूस अंय्यां ई बजै स बोल्यो
क्युं क बो जाणतो हो की अ याजक जळता-बळता इनै पकड़ाया ही। 11पण
याजक बरअब्बा न पीळातूसऊँ छुड़ाण ताँई भीड़ न पैल्याऊँ उकसा राख्यो।
12पीळातूस बण स ओज्युँ बूझ्यो, "थे जिनै यहूदीयां को राजा खेओ हो बिको
म काँई करुँ थे बताओ थे काँई चाओ हो?" 13बे कुँक'र बोल्या, "इनै सूळी चढ़ा
द्यो!" 14पीळातूस बण स बोल्यो, "म इनै क्युं सूळी चढ़ाऊँ ओ लाई कुणसी
बुराई करी ह।" पण बे मिनख बुर्यां हि करबा लाग्या, "इनै सूळी चढ़ा द्यो।"
15पीळातूस भीड़ न राजी करबा ताँई बरअब्बा न छोड़ दियो अर ईशु क कोड़ा
मरवाया जिकै पाछै सूळी चढ़ाबा को हुकम दियो।

सिपाईड़ा क हाथा ईशु की बैजती

16सिपाईड़ा ईशु न राजपाल क गढ़ का आँगणा म लेगा। अर बे सगळी
पलटण न भेळी करली। 17बे ईशु न बैंगणी रंग को गाबो पीरा'र बीकाळा सीर
प काँटा को मुकट गूँथ्थ'र धर दियो। 18बे ईशु को तमासो बणाबा ताँई जै-जै
कार करबा लाग्या अर बे बोल्या, "ओ यहूदीयां का राजा तेरी जै हो।" 19बे ईशु
क सिर प डंडा स मार'र, बिपै थुँक'र, गोडा टेक'र बिनै नमस्कार कर्या। 20बे
ईशु को मजाक उड़ा'र बिको बैंगणी गाबो तो लीया काढ़ अर पाछा बिकाई
गाबा पीरा'र, बिनै सूळी चढ़ाबा ताँई बारनै लेगा।

ईशु न सूळी चढ़ाणो

21सिकन्दर अर रूफुस को बाप जिको नाम शमोन हो ओ कुरेन गाँव को हो
इनै गाँवऊँ आतो देख बे सिपाईड़ा बिनै जोरदे'र ईशु की सूळी न लेज्याबा
ताँई बोल्या 22बे ईशु न गुलगुता नाम की झघा प लेगा जिको मतबल खोपड़ी
की झघा ह। 23बे ईशु न मिर्र नाम की दवाई मिलेड़ी अंगूरी पीलाबा लाग्या

मिर्र को बोजो (15:23)

पण ईशु कोनी पीओ। 24इकै पाछै बे ईशु न सूळी
प चढ़ा दियो, ईशु का गाबा लेबा ताँई बे पर्ची
गेरी अर आपसरी म बानै बाट लीया। 25जद बे
ईशु न सूळी चढ़ाया जणा दिनग्या का नो बजर्या
हा। 26अर बठै बिको दोष पत्र हो जिपै मंडर्यो हो,
"यहूदीयां को राजा।" 27ईशु क सागै दो डाकू बी
सूळी प चढ़ाया गया एक ईशु क दांया नाकै अर
दूसरो बांया नाकै लटकायो गयो। 28[अर पवित्र
शास्त्र क माईनै जो बचन मंडेड़ा हा बे पूरा होया।
की ईशु अपराध्या क सागै लटकायो जासी।][z]
29अर गेला मऊँ जाबाळा आपका सिरा न हला-
हला'र ईशु की बेजती कर'र बे ईशु न खेर्या हा
मन्दर न तोड़बाळा अर तीन दिन म ओज्युँ ऊँ बणाबाळा 30तळै उतर्यां अर खुद
न बचाले 31अर अंय्यां ही प्रधान याजक अर शास्त्रा न सीखाबाळा बी ईशु को
मजाक उड़ार्या हा। अर बे आपसरी म बतळाबा लाग्या, "ओ दूसरा मिनखा न
बचायो पण खुद न कोनी बचा सक्यो।" 32अर बे ईशु न खेवै हा, "ओ इस्राइल
का राजा मसी सूळी स तळै उत'र क दिखा जणा म्हें बिश्वास कर लेस्यां" अर
जखा डाकू ईशु क सागै सूळी प चढ़ाया गया हा बे बी ईशु को मजाक उड़ार्या
अर बिकी बेजती कर्‌या हा।

ईशु पीराण त्याग्या।

33दोपारा बारा बजताँई सगळाँ देश क माईनै अंधेरो छायो अर करीब तीन
बजे ताँई अंधकार छायो रियो। 34ईशु तीन बजे जो'र ऊँ बार घाल'र खयो
"इलोई, इलोई, लमा शबक्तनी।" जिको मतबल ह,

"ओ मेरा परमेश्बर ओ मेरा परमेश्बर तू मनै क्यालै छोड़ दियो?"

35अर जखा मिनख बठै खड़्या हा बे ईशु न अंय्यां बोलता सुण्या जणा
बे खया, "ओ एलीया न बुलावै ह।" 36एक मिनख भाग'र चुँखा न खाट्टो
उठायड़ो अंगूरा का रस म डुबा'र लाठी प टांग'र ल्याओ अर ईशु न

---

[z] **15:28** क्युंक मानी-थानी पुराणी पौथियां म अ बाता कोनी मंडरी।
15:34 भजन 22:1

पीबा ताँई दियो अर खयो, “आपा देखस्यां
इनै उता’रबा ताँई एलियो आवै की कोनी।”
37जणा ईशु जोरऊँ बार घाल’र पीराण त्याग
दिन्या 38अर मन्दर को परदो उप’र स ले’र
तळै ताँई पाट’र दो टुकड़ा होगो। 39सेना
को एक अधिकारी ईशु क सामनै खड़्यो
हो ओ ईशु की बातां न सुण्यो अर देख्यो
की ईशु कंय्यां आपका पीराण त्याग्या। अर
बो बोलबा लाग्यो, “ओ मिनख साच्याँई
परमेश्बर को बेटो हो।” 40बठै लूगायां बी ही बे ईशु न दूरऊँ खड़ी खड़ी
देखै ही बा लूगायां म मरियम मगदलीनी, छोटक्यो याकूब अर युसफ की
माँ मरियम अर सलौमी ही। 41ईशु जद गलील क मांय न हो जणा बि बठै
अ लूगायां ईशु क गेल चालबाळी ही अर अ ईशु की सेवा करती ही। अर
बठै ओर बी कई लूगायां ही जखी ईशु क सागै यरूशलेम ताँई आई ही।

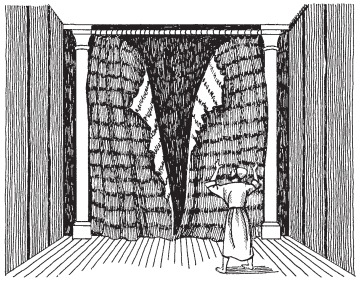

मंदर को परदो पाट्यो (15:38)

ईशु न कबर म धरनो

42दिन आथगो हो अर ओ अराम हाळा दिनऊँ पेलड़ो दिन हो जिनै तैयारी
करबाळो दिन बी बोलै ह। 43ई बजै स अरिमतिया को युसफ आयो। ओ मिनख
यहूदी महापंचायत को मान्यों-थान्यों हो अर परमेश्बर का राज न उडीकै
हो। ओ ठाडी छाती कर’र पीळातूस कनै गयो अर बिसै ईशु की लाश माँगी।
44पीळातूस न ताजुब होयो की ईशु अत्तो तावळो कंय्यां मरगो। अर बो सेना
का अधिकारी न आपकै कनै बुलायो अर बिसै बूझ्यो, “बिनै मर्या बोळी देर
होगी के?” 45अर पीळातूस अधिकारीऊँ समचार ले’र ईशु की लाश न युसफ न
लेज्याबा को हुकम दे दियो। 46युसफ मलमल को चादरो खरिद्यो अर लाश न
सूळीऊँ उता’र बी चादरिया म बिनै लपेट’र ढाड क मांय खोदेड़ी कबर म धर
दियो। अर कबर का मूंडा प बडो सारो भाठ्ठो लगा दियो। 47मरियम मगदलीनी
अर युसफ की माँ मरियम देखै ही की बो ईशु की लाश न कठै धर्‌यो ह।

ईशु ओज्युँ जिन्दो होगो

16 अराम हाळा दिन क पाछै मरियम मगदलीनी, सलौमी अर
याकूब की माँ मरियम ईशु की लाश प लगाबा ताँई सुगन्ध

खाली कबर जठै ईशु की लास धरी गई ही (16:3)

आबाळी चिज मोल ली 2अर बे अत्ता का पेल्ड़ा दिन दितवार न सुआरे सूरज निकळता ही कबर प गई। 3बे आपसरी म खेबा लागी, “कबर क मूंडा आगै का भाठ्ठा न कुण सरकासी?” 4अर बे सामनै देखी जणा भाठ्ठो तो सरकेड़ो हो। बो भाठ्ठो बोळो बडो हो। 5बे बेगीसी कबर क मांय न जा’र देखी की एक मोट्या’र धोळा गाबा पेर्या दांया नाकै बैठ्यो हो अर बे बिनै देख’र उक चुक होगी। 6अर बो मोट्या’र बानै खयो, “थे डरो मना थे जि ईशु नासरी न ढूँढो हो, जिनै सूळी प चढ़ायो गयो हो बो अठै कोनी ह बो मरगो हो पण इब जी उठ्यो ज यकीन ना होवै तो बी झघा न देखल्यो जठै बे बिकी लाश न धर्या हा। 7थे अठै ऊँ जाओ अर ईशु का चेला न अर पतरस न ओ समचार देवो की बो थारै ऊँ पेल्या गलील म जासी जंय्यां बो थानै पेल्या ही बोल्यो हो। बो थानै बठै ही मिलसी।” 8अर बे डरगी अर ताजुब करती ही कबर ऊँ भाग’र निकळी, अर बे किनैई क्युंई कोनी बताओ क्युं क बै डरगी ही। [a]

ईशु मरियम मगदलीनी न दिख्यो

9ईशु जिन्दो होण क पाछै दितवार हाळै दिन मरियम मगदलीनी जिमै स ईशु सात ओपरी-बलाय काढ़ि ही बिनै दिख्यो 10बा जा’र ईशु का साथ्याँ न जो बोळा दुखी हा अर रोवा हा बानै ओ समचार दियो 11अर बे बिकी ई बात न सुण’र की बो जिन्दो होगो ह अर बिनै दिख्यो ह बे बिकी बातां प बिश्वास कोनी कर्या।

दो चेला न ईशु दिख्यो

12इकै पाछै दूसरा रुप म ईशु खेत का गेला जांवता दो चेला न दिख्यो जिखा बामै स हा। 13बे पाछा आर ओरा न ई बात को समचार दियो पण बे बाको बी बिश्वास कोनी कर्यो।

---

[a] **16:8** सबऊँ मानी-थानी पुराणी दो यूनानी भाषा की पौथ्यां म मरकुस को चोखो समचार सोळवां पाठ की आठवी आयत प ही पूरो होज्यावै ह।

ग्यारा चेला न ईशु दिख्यो

14इकै पाछै रोटी खाबा की टेम ईशु बा ग्यारा चेला न बी दिख्यो। ईशु बाका
अबिश्वास अर हिया की कल्डाई प बानै दकाल्यो। क्युं क बे ईशु क जिन्दो
होण को समचार देबाळा की बातां प बिश्वास कोनी कर्या। 15जणा पाछै ईशु
बानै खयो, “थे सगळी धरती प जा’र चोखो समचार को हैल्लो द्यो। 16अर
जो बी थारी बातां प बिश्वास करसी अर बतिस्मो लेसी बिको उद्धार होसी
अर जो बिश्वास कोनी करसी बो पापीई रेह्सी अर सजा भोगसी। 17मेर म
बिश्वास करबाळा म अ चिन होसी की बे मेरा नाम ऊँ ओपरी-बलाय काढ़सी
अर बे नई-नई भाषा बोलसी। 18ज बे आपका हाथाऊँ साँप बी पकड़ै अर झैर
बी पी ज्यावै तो बि बाकै क्युंई कोनी होसी, अर बे रोगला प हाथ धरसी जणा
बे ठिक हो ज्यासी।”

ईशु को ईश्वर नगरी म उठायो जाणो

19अ सारी बातां बोलबा क पाछै ईशु ईश्वर नगरी म उठा लियो गयो अर
परमेश्बर क दांया नाकै जा’र बैठगो। 20अर बिका चेला झघा-झघा जा’र प्रबु
को परबचन दियो। बाकै सागै प्रबु काम कर्यो हो। अर बो चमत्कारी चिनाऊँ
बचना न सच कर्यो।